जबलपुर, रविवार 8 नवंबर 2026 ■ कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-14 ■ वर्ष : 21, अंक : 185 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * haribhoomi.com मौसम अधि. 30, न्यून. 16



हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी





ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमी अयोध्या | **सरयू के 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीप जले**

रामपथ पर साकार हुई रामायण

21 झांकियों में रामकथा के साथ योगी सरकार की विकास यात्रा का भव्य प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

बोले मोदी रोशनी से जगमगा रहा है देश



देश के वीर जवानों के साथ ही मनाऊंगा दिवाली: पीएम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखे
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

दिवाली पर्व की शुभकामनाएं

दिवाली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 08 नवंबर रविवार और 09 नवंबर सोमवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 11 नवंबर बुधवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

भारत ने न्यूजीलैंड को चार रन से हराया

वेलिंगटन। भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत चार रन से हराकर



पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। जवाब में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बनाए। जीत के लिए 22 रन चाहिए थे।



चित्रकूट : मंदाकिनी में दीपदान करते सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में किया दीपदान, कहा

महाकाल लोक की तरह बनेगा रामराजा व वनवासी राम लोक

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि सरकार की सभी जनहितैषी नीतियां अपने मूल उद्देश्य से सफल सिद्ध हों

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां अन्य देशों में पर्यटन की दृष्टि से ही विभिन्न स्थानों का विकास होता है, वहीं हमारे देश में नागरिकों के लिए तीर्थाटन की दृष्टि से धार्मिक महत्व के स्थानों के समग्र विकास पर ध्यान दिया जाता है। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि ऐसे स्थानों पर आने से सभी के मनोभाव पावन हो जाते हैं।

चित्रकूट क्षेत्र का विकास भी इसी अवधारणा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के महाकाल लोक की तरह ओरछा में राम राजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली पर्व के अवसर पर भगवान श्री राम की तपोभूमि सतना जिले के चित्रकूट पहुंचकर पवित्र मंदाकिनी नदी में दीपदान किया। उन्होंने प्रदेश और देश के नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की।

भारतीय संस्कृति में सिर्फ पर्यटन नहीं, तीर्थाटन की भावना महत्वपूर्ण



ओरछा में रामराजा दरबार में सीएम डॉ.मोहन यादव झांझ बजाते हुए

- ओरछा में 126.96 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य श्री रामराजा लोक
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास का वातावरण बना

धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को छोटी दीपावली पर निवाड़ी जिले की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ओरछा पहुंचे थे। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्रीरामराजा सरकार मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्रीरामराजा सरकार के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि ओरछा का श्रीराम राजा मंदिर हम सभी के लिए आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद श्रीरामराजा लोक के विकास एवं निर्माण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

लोक के सभी विकास कार्य समय सीमा में पूरे हों

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि समाज के सभी वर्गों, किसानों, युवाओं, गोपालकों सहित प्रत्येक नागरिक का कल्याण हो तथा सरकार की सभी जनहितैषी नीतियां अपने मूल उद्देश्य से सफल सिद्ध हों। धार्मिक पर्यटन के इस अद्भुत केंद्र ओरछा में भी विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित हों, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार अधिकारियों को श्रीरामराजा लोक के तहत चल रहे सभी श्रेणियों के निर्माण एवं विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

मिठाई है या ये कोई गोल्ड कॉइन?

मिठाई का 9 ग्राम का टुकड़ा 1111 रु. का, 1.23 लाख रुपए प्रति किलो



ऐतिहासिक और शाही परंपरा को दिया नया रूप

एजेंसी ⏭ जयपुर

जयपुर के मिठाई बाजार में एक ऐसी नायाब और शाही मिठाई ने दस्तक दी है, जिसकी कीमत और अनोखे अंदाज ने हर किसी को हैरान कर दिया है। 'त्योहार अशर्फी' नाम की यह खास मिठाई सोशल मीडिया से लेकर हर आम और खास लोगों की जुबान पर चर्चा का विषय बनी हुई है। स्वाद में शाही और दिखने में बिल्कुल सोने के सिक्के जैसी इस मिठाई की कीमत लगभग 1,23,000 रुपए प्रति किलोग्राम है। इस अनोखी मिठाई की परिकल्पना जयपुर की मशहूर मिठाई दुकान की फाउंडर अंजलि जैन ने की है।

हाईकोर्ट ने एनपीएस का पैसा ओपीएस में ट्रांसफर करने का दिया आदेश

प्रदेश के 99 हजार शिक्षकों को मिलेगी 'पुरानी पेंशन'



सरकार की सभी दलीलें कर दीं खारिज

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की मांग कर रहे 2005 से पहले भर्ती हुए शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत मिली है। ग्वालियर हाईकोर्ट ने कहा कि जब सरकार शिक्षकों की पुरानी सेवा को मान्य कर उन्हें वरिष्ठता और प्रमोशन का लाभ दे रही है, तो उन्हें पुरानी पेंशन के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

डिप्टी रेंजर का वीडियो वायरल

अवैध उत्खनन की रिश्वत का 'ऊपर' तक पहुंचने का दावा

वन विभाग ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छतरपुर



छतरपुर में वन विभाग के डिप्टी रेंजर भास्कर खरे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे अवैध उत्खनन और वनभूमि पर कब्जे के बदले मिलने वाली रिश्वत की रकम ऊपर तक पहुंचने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने पटवारी से लेकर कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारियों तक रिश्वत का पूरा तंत्र चलने की बात कही है। वीडियो में डिप्टी रेंजर सागौन सहित कीमती लकड़ियों की कटाई, रेत-मुरम के अवैध उत्खनन और वनभूमि पर कब्जा कर खेती कराने के बदले पैसों के लेन-देन का जिक्र कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह गोरखधंधा कई वर्षों से चल रहा है और इसमें निचले स्तर से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक की मिलीभगत है। हालांकि, वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामला सामने आने के बाद वन मंडलाधिकारी ऋषि मिश्रा ने जांच के आदेश दिए हैं। भास्कर खरे ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो बुडरक गांव में अप्रैल-मई के दौरान हुई बातचीत का है।

5 शहरों की एयर क्वालिटी बिगड़ी

दिवाली से पहले ही मप्र के कई शहरों में हवा जहरीली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दिवाली से पहले ही प्रदेश के कई शहरों की हवा खराब हो गई है। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर ग्वालियर है। यहां तीन मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया। इसके अलावा भोपाल की हवा भी प्रदूषित हो गई है। राजधानी के पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 261 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक है। ग्वालियर और भोपाल के अलावा इंदौर, उज्जैन और मंडीदीप की हवा भी खराब हो गई है। इंदौर में एक्यूआई 233, उज्जैन में 229 और मंडीदीप में 251 दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी हवा की स्थिति चिंताजनक है। टीटी नगर में एक्यूआई 183 और ईदगाह हिल्स में 141 दर्ज किया गया।



ग्वालियर सबसे प्रदूषित एक्यूआई 300 पार

गीता के संदेश ने बदला फैसला

राजनीति में उतरने से पहले खुद से जूझ रही थीं सोनिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राजनीति में आने को लेकर लंबे समय तक असमंजस में थीं। पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1991 में हत्या के बाद वह राजनीति की दुनिया से दूर रहना चाहती थीं। लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों और कांग्रेस पार्टी की स्थिति को लेकर उनके मन में चल रहे संघर्ष के बीच भगवद्गीता ने उन्हें रास्ता दिखाया। सोनिया गांधी ने अपनी नई किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' में राजनीति में सक्रिय होने से पहले के अपने मानसिक संघर्ष और उथल-पुथल का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक के आखिरी वर्षों में जब कांग्रेस मुश्किल दौर से गुजर रही थी।



मुझे अपने संदेहों और सवालों का जवाब मिल गया

7 दिन के रेस्ट के बाद शूटिंग संभव

अमिताभ की सेहत बिगड़ी केबीसी की शूटिंग बंद हुई

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेता अमिताभ बच्चन की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) की शूटिंग पिछले एक सप्ताह से रुकी हुई है। शो के निर्माताओं ने फिलहाल नए एपिसोड की शूटिंग रोकने का फैसला किया है। अमिताभ पिछले कुछ समय से अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। अमिताभ ने शनिवार को अपने ब्लॉग में कामकाज की पुरानी दिनचर्या में धीरे-धीरे लौटने की बात कही। उन्होंने लिखा कि रोजमर्रा की जिंदगी से दूर रहने के बाद फिर उसी रफ्तार में ढलना आसान नहीं होता। कभी-कभी उन्हें चश्मा और मोबाइल तक याद नहीं रहता, लेकिन स्कूल के आठवीं कक्षा के दिनों की बातें आज भी याद हैं। उनकी तबीयत में सुधार हुआ तो अगले सप्ताह से शूटिंग दोबारा शुरू हो सकती है। शो के लिए आखिरी बड़ा सेलिब्रिटी एपिसोड रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे के साथ शूट किया गया था। तीनों अपनी आगामी फिल्म रामायण के प्रचार के लिए केबीसी के मंच पर पहुंचे थे।



'रामायण' वाला एपिसोड पहले ही हो चुका टेलीकास्ट



दीपोत्सव का स्वर्णिम प्रकाश लाये समृद्धि और विकास

दीपावली पर्व एवं गोवर्धन पूजन

की हार्दिक मंगलकामनाएं



दीपावली हमारी सनातन संस्कृति का वह गौरवशाली प्रतीक है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। इस विरासत का सम्मान करते हुए हम प्रदेश के विकास की नींव को मजबूत कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य विकास के लाभ को प्रदेश के हर परिवार, गांव और हर वर्ग तक पहुंचाना है। आइये, इस पुनीत अवसर पर हम सब मिलकर एक खुशहाल, समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लें।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11162/26


हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है तमिलनाडु के रुबेशकुमार टी की तंजौर कला.
Hero
Hero
भरोसा सोने सा खरा
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
HF-Deluxe Pro
Splendor+ XTEC 2.0
हर दिन एक हीरो टू-व्हीलर* जीतने का मौका पाएं.
सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं*
कैश डिस्काउंट ₹2500~ तक
इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक
SBI card HDFC BANK pine labs
कम डाउन पेमेंट ₹6999^ से शुरू
कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹2200~ तक
For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero GoodLife
Also Available on: Flipkart amazon.in
T&C Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount & Corporate offer are exclusive and can't be availed together. ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, Subject to their respective T&Cs, 100% finance applicable on Ex-showroom price, Offer available only on limited stores. *Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer-T&C apply.
TOLL FREE 1800 266 0018
अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), डीलर एक्सटेंशन: सुदर्शन हीरो (आनंद नगर बस स्टॉप), 9289922353; बालाघाट: [illegible] हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: सुभा हीरो 9289922600, मरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: बंदिका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बंदिका हीरो 9289923108, शहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, बैतूल: बजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदामि हीरो 9821745435, धोरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स 9821749342, एसोसिएट डीलर: पथरिया: एसएस ऑटोमोबाईल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, ब्यौहारी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, बुड़हार: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, डिंडोरी: [illegible] 8959777333, जैनपुर: [illegible] मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: [illegible] 9425467409, जुन्नारदेव: लक्ष्मी [illegible] मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मैहर: वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, नरसिंहपुर: [illegible] मोटर्स 9425185568, लांजी: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पांडुरना: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 7428390263, परासिया: श्री [illegible] ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 9993224296, रांझी: [illegible] ऑटो 9424728007, सिहोरा: [illegible] 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285605630, बाराशिवनी: [illegible] मोटर्स 9425822392, जतारा: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 9111231539, टीकमगढ़: [illegible] 7000242371, पृथ्वीपुर: [illegible] एजेंसीज 7000375943, मुलताई: [illegible] मोटर्स 9522870001, चितरंगी: [illegible] मोटर्स 9685416118, बरगवां: [illegible] मोटर्स 9926183734, बहरी: [illegible] 9981238133, बरही: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 7566217410, 9131739086, अनूपपुर: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 9770531138, 9770744844, [illegible]: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425088888, [illegible]: [illegible] ऑटोमोबाईल्स 9893829195, [illegible]: [illegible] मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9893252517, धनोरा: [illegible] 9424950703, सरई: [illegible] मोटर्स, 9981718853, [illegible]: [illegible] 8989434793, मड़वास: [illegible] मोटर्स, 9009066959, मझौली: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 9584628677, [illegible]: श्री कृष्ण मोटर्स, 8889131315, [illegible]: [illegible] मोटर्स, 9981303666, बड़वारा: [illegible] मोटर्स, 7509839990, [illegible]: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 9589176355, दुधमनिया सिंगरौली: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, गढ़: [illegible] मोटर्स, 9144881695, गुन्नौर: [illegible] मोटर्स, 8959050501, बीरसिंहपुर: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 9425886424, कोठी: लक्ष्मी ऑटोमोबाईल्स, 7987308294, अम्दारा: [illegible] मोटर्स, 8839967734, सलेहा: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 9425123895, खटखरी: खटखरी ऑटोमोबाईल्स, 9617241128, देवतालाब: [illegible] मोटर्स, 9424622310, गुड़: [illegible] मोटर्स, 9229072020, चाकघाट: श्री साई मोटर्स, 9575845089, पथ: श्री सिद्धि मोटर्स, 7607799201, सिंगरौली: [illegible] मोटर्स, 9981718853, पाँडी बागदारी: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, बागदरा: साई श्रद्धा एसोसिएट्स, 9893870516, चरका: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 8821819132, रामपुर नैकिन: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 7224852277, मड़वास: [illegible] मोटर्स, 9009066959, तनसर: [illegible] मोटर्स, 7223949618, अमिलिया: [illegible] मोटर्स, 9144594444, छपरा: [illegible] एजेंसी, 7000633996, कटंगी: [illegible] ऑटोमोबाईल्स, 9407033578, साईखेड़ा: [illegible] मोटर्स, 8989828648, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: [illegible] हीरो 9289922805, मरसिंहपुर: [illegible] हीरो 8815396340, दमोह: [illegible] ऑटो सेंटर 8839230079
Cheil 33547/26

विदेशों में दिवाली का जश्न

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने जलाया दीया, भारतीय मूल के लोगों ने भेंट की हनुमान चालीसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के अलावा नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, सिंगापुर, मॉरीशस, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और त्रिनिदाद एवं टोबैगो सहित 20 से अधिक देशों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में इस साल भी दीवाली का जश्न देखने को मिला।

भारतीय मूल के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ ओवल ऑफिस में दिवाली मनाई। ओवल ऑफिस में पारंपरिक तरीके से दीये भी जलाए गए। इस खास मौके पर राष्ट्रपति ट्रंप को हनुमान चालीसा गिफ्ट किया गया।



ट्रंप ओवल ऑफिस में दीया जलाते हुए

भारतीय संस्कृति की दिखी झलक

समारोह में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, मशहूर मिशेलिन स्टार शेफ विकास खन्ना और कनाडा की पूर्व सांसद रूबी ढल्ला समेत भारतीय मूल की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के डिप्टी कमिश्नर अर्जुन मोदी भी मौजूद थे। इस आयोजन ने अमेरिकी राष्ट्रपति भवन में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक पेश की।



ट्रंप को दी हनुमान चालीसा

भारतीय टेक उद्यमी विशाल गोंडल ने 'एक्स' लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दिवाली मनाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने ट्रंप को हनुमान चालीसा भेंट कीं। गोंडल ने भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती और मजबूत होने की प्रार्थना की। उन्होंने लिखा कि उनकी कामना है कि अंधकार पर प्रकाश की जीत हो और दुनिया में शांति, समृद्धि, अच्छी सेहत और लंबी उम्र का आशीर्वाद सभी को मिले।

सिंगापुर में की गई विशेष साज-सज्जा



भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने सिंगापुर की सड़कों की तस्वीरें साझा की थीं, जिन्हें दीपावली के स्वागत में विशेष रूप से सजाया गया था।

टोक्यो में भारतीय व्यंजनों का आनंद लिया

जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्री हिसायुकी फुजी, न्याय मंत्री ताकाशी यामाशिता और जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक ने टोक्यो में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित दीपावली समारोह का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही भारतीय व्यंजनों की विविधता भी पेश की गई, जिससे जापान में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक झलक



देखने को मिली। जापान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि दोस्तों के साथ दीपावली का जश्न।

म्यांमार में दीपावली समारोह में राष्ट्रपति यू हुए शामिल



म्यांमार में 'नेशनल थियेटर यांगून' में राष्ट्रीय स्तर पर दीपावली मनाई गई। इसमें हिंदू समुदाय के कई समूहों ने हिस्सा लिया और 1200 से अधिक मेहमान शामिल राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग का गर्मजोशी से स्वागत किया। उनकी पत्नी, कुछ केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए।

खबर संक्षेप

कीव पर रूस का मिसाइल हमला, 6 लोग घायल

कीव। यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में होने वाली चौथे दौर की अहम शांति वार्ता से ठीक पहले रूस ने शनिवार तड़के राजधानी कीव पर भीषण मिसाइल हमले को अंजाम दिया है। इन हमलों की चपेट में आने से कम से कम नौ नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।



पराग्वे में उपराष्ट्रपति पेड्रो ने संभाली सत्ता

असुनसियन। दक्षिण अमेरिका के पराग्वे में बड़ा सियासी उलटफेर हुआ है। एक बड़े बैंकिंग संकट के बाद पराग्वे की संसद के उच्च सदन सीनेट ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया गया है। उन्हें नजरबंद रखने का आदेश दिया गया है। उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है।



बिश्नोई का करीबी हैरी बॉक्सर यूएस से अरेस्ट

वॉशिंगटन। गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। हरियाणा एसटीएफ के मुताबिक, हरियाणा के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका से हिरासत में लिया गया, फिर गिरफ्तार किया गया है। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को अमेरिका में बैठकर ऑपरेट कर रहा था।



यूएन के बजट सलाहकार पैनल में शिवानी नामित

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक शिवानी गुप्ता को संयुक्त राष्ट्र महासभा के महत्वपूर्ण बजट सलाहकार पैनल में शामिल करने के लिए निर्विरोध नामित किया गया है। चार्टर्ड अकाउंटेंट शिवानी इस प्रतिष्ठित समिति में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। महासभा की पांचवीं समिति ने यह निर्णय लिया।



बागडोगरा वायुसेना स्टेशन पर जवानों संग रक्षा मंत्री ने मनाई दीपावली, बोले

युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे इसमें साइबर और ड्रोन के हमले भी शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुश्मन सोशल मीडिया के माध्यम से वह भ्रामक सूचनाएं फैलाकर स्थानीय लोगों और हमारे सैनिकों के मन में संदेह पैदा कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में आपकी भूमिका केवल एक सैनिक तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका दायरा कहीं अधिक व्यापक हो जाता है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा बलों से हर समय उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखने का आह्वान किया है। उन्होंने उभरते सुरक्षा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए क्षेत्रीय परिस्थितियों की गहरी समझ, साइबर हमलों से निपटने की क्षमता और सूचना की विश्वसनीयता एवं अखंडता को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

पश्चिम बंगाल के बागडोगरा वायुसेना स्टेशन पर 7 नवंबर, 2026 को दीपावली की पूर्व संध्या पर भारतीय वायु सेना के कर्मियों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य पहले से कहीं अधिक जटिल हो गया है।

युद्ध अब केवल सीमाओं पर होने वाले पारंपरिक संघर्षों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें असममित युद्ध, छद्म युद्ध, साइबर हमले, ड्रोन के झुंड, भ्रामक सूचना प्रवाह और विमर्शों को प्रभावित करने जैसी चुनौतियां भी शामिल हो गई हैं।

अक्सर विरोधी सीधे टकराव से बचते हुए कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से वह भ्रामक सूचनाएं फैलाकर स्थानीय लोगों और हमारे सैनिकों के मन में संदेह पैदा कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में आपकी भूमिका केवल एक सैनिक तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका दायरा कहीं अधिक व्यापक हो जाता है।"

- जवानों के आचरण से सेना की छवि दिखती
- जवानों के साहस और समर्पण की सराहना की
- हर समय उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखें



जवानों को मिठाई खिलाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

स्थानीय जनता से जुड़ने की अपील की

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा बलों के जवानों का आचरण, व्यवहार, भाषा और संयम स्थानीय समुदायों के बीच सेना की छवि निर्धारित करते हैं। उन्होंने सैनिकों से विशेष रूप से बागडोगरा और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय लोगों के साथ अपना जुड़ाव मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे आम जनता व रक्षा बलों के बीच विश्वास एवं आत्मीयता का रिश्ता और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि आप स्थानीय समुदाय के साथ जितना अधिक जुड़ेंगे, विरोधियों के षड्यंत्र उतने ही कमजोर होते जाएंगे।

बागडोरा पूर्वोत्तर क्षेत्र का अहम सुरक्षा तंत्र

राजनाथ सिंह ने बागडोगरा को विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के संदर्भ में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र और देश के सुरक्षा तंत्र की एक अहम कड़ी बताया। इस क्षेत्र में तैनात वायु योद्धा पूर्वी इलाकों की सुरक्षा में मजबूत रक्षा कवच की भूमिका निभाते हैं। इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए उनकी सतर्कता और परिचालन तैयारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति रक्षा बलों के जवानों के साहस और समर्पण की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद अनुशासन और साहस का महत्व हमेशा बना रहेगा।

सेना के आधुनिकीकरण पर जोर

राजनाथ सिंह ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के सरकार के संकल्प को दोहराते हुए ड्रोन, ड्रोन-रोधी प्रणालियों और अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों के विकास में भारतीय स्टार्टअप्स एवं रक्षा उद्योगों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने स्वदेशी तकनीकों को अपनाने के लिए रक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि ड्रोन संचालन और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में नए कौशल विकसित करना समय की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सेना को आधुनिक तकनीकों से लैस करने और उसकी तकनीकी क्षमताओं को निरंतर मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

न्यूजीलैंड में मतदान समाप्त, काउंटिंग शुरू

नेशनल और लेबर के बीच कांटे की टक्कर, छोटे दल हुए अहम



क्रिस्टोफर लक्सन



क्रिस हिपकिंस

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के आम चुनाव की वोटिंग (7 नवंबर) संपन्न होने के कुछ देर बाद ही काउंटिंग शुरू हो गई। शुरुआती नतीजों में सत्तारूढ़ नेशनल पार्टी को 29.4 फीसदी और मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी को 29.9 फीसदी मत मिले। इस तरह दोनों के बीच मुकाबला बेहद करीबी हो गया है।

लगभग 35 फीसदी काउंटिंग होने के बाद ये स्पष्ट किया गया। शुरुआती रुझानों में नेशनल पार्टी आगे रही, जबकि मतगणना के दौरान लेबर पार्टी ने भी उसे कड़ी चुनौती दी। किसी भी प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत मिलने के संकेत नहीं हैं, और ऐसे में सरकार गठन में छोटे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। न्यूजीलैंड के चुनाव आयोग ने 27 नवंबर को आधिकारिक नतीजे घोषित करने का कार्यक्रम तय किया है। विदेशों में रहने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों के वोट और विशेष मतों की गिनती भी अंतिम परिणाम में शामिल होगी।

पीएम लक्सन की पार्टी को 29.4% वोट

न्यूजीलैंड के चुनाव आयोग की शुरुआती मतगणना में नेशनल पार्टी को 29.4 प्रतिशत और लेबर पार्टी को 29.9 प्रतिशत वोट मिले। ग्रीन पार्टी 14.1 प्रतिशत, एसीटी न्यूजीलैंड 10.5 प्रतिशत और न्यूजीलैंड फर्स्ट पार्टी 9.3 प्रतिशत वोट के साथ अन्य प्रमुख दलों में शामिल रहे। ऑपरचुनिटी पार्टी को 5.4 प्रतिशत वोट मिले, जो संसद में प्रवेश के लिए जरूरी पांच प्रतिशत की सीमा से अधिक हैं। पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के नेतृत्व में नेशनल पार्टी मौजूदा गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है। चुनाव से पहले आए सर्वेक्षणों में भी इस पार्टी को संभावित गठबंधन सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा था। हालांकि, नेशनल पार्टी के नेता लक्सन पहले ही अवसर पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर चुके हैं।

महंगाई, स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दे अहम रहे

वहीं, लेबर पार्टी के नेता और पूर्व पीएम क्रिस हिपकिंस सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हिपकिंस 2023 के चुनाव में हार गए थे। इस बार उनका अभियान महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं और आम लोगों के जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था और बढ़ती बेरोजगारी प्रमुख मुद्दे रहे। देश लंबे आर्थिक सुस्ती के दौर से धीरे-धीरे उबर रहा है। बेरोजगारी दर 5.7 प्रतिशत तक पहुंचने और घरेलू बजट पर बढ़ते दबाव ने मतदाताओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। नेशनल पार्टी ने बजट घाटा कम करने का मुद्दा उठाया था।

बांग्लादेश में फिर भारत विरोधी गतिविधि

टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती, बताया मुस्लिम विरोधी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती गई। घटना आज खुलना रेलवे स्टेशन के पास हुई। टैगोर की तस्वीर के पास कुछ पोस्टर भी लगाए गए, जिनमें लिखा था कि मुस्लिम विरोधी टैगोर की यहां कोई जगह नहीं है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारी टैगोर पर ढाका यूनिवर्सिटी की स्थापना का विरोध करने का आरोप भी लगा रहे हैं। पीएम तारिक रहमान खुलना शहर में दौरे पर आने वाले हैं। इसके चलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेलवे स्टेशन की दीवार पर ये चित्र बनवाए थे।



टैगोर के अलावा फकीर लालन शाह, काजी नजरुल इस्लाम, कलाकार एसएम सुल्तान और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान समेत कई जानी-मानी हस्तियों के चित्र थे। दीवार पर सुंदरबन, 60 गुंबद वाली मस्जिद और जूट उद्योग से जुड़े चित्र भी बनाए गए थे।

सरकारों और अदालत की मंजूरी जरूरी

केंद्र सरकार ने राज्यों के बीच कैदियों के तबादले की दी मंजूरी



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'पंजाब पुलिस एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2006' को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले और जेल प्रशासन के कामकाज में बदलाव से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966' की धारा 87 के तहत यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके जरिए पंजाब के कानून को कुछ संशोधनों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू किया गया है। इन संशोधित प्रावधानों में चंडीगढ़ और अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले की व्यवस्था की गई है।

ईरानी एयरोस्पेस फोर्स ने अपना विशेष स्मृति सप्ताह मनाया

पूर्व सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

दुश्मन के 260 विमान मारने और 7 ड्रोन सुरक्षित कब्जे में लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने अपना विशेष स्मृति सप्ताह मनाया। तेहरान के सरचेशमेह कल्चरल कॉम्प्लेक्स में आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहेब्बी ने पुराने क्षेत्रीय युद्धों से जुड़े प्रमुख लोगों और शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस वीक, एयरोस्पेस फोर्स के शहीदों, उसके पूर्व सैनिकों, कमांडरों और उनके सम्मानित परिवारों को श्रद्धांजलि देने का एक कीमती अवसर है।



जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने

प्रवक्ता मोहेब्बी ने बताया कि ईरान ने जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने बनाए हैं। इन ठिकानों को बनाने में देश की अपनी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही, ईरान की भौगोलिक परिस्थितियों का भी फायदा उठाया गया है। ईरान की वायु रक्षा इकाइयों ने 'दुश्मन' के 260 विमानों को रोका और मार गिराया।

12 देशों के साथ विदेश मंत्री की चर्चा

क्षेत्रीय मुद्दों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उन्होंने 48 घंटों (गुरुवार और शुक्रवार) के भीतर 12 देशों के अपने समकक्षों से संवाद स्थापित किया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने इसकी जानकारी दी।

इजराइल में नई सरकार को लेकर असमंजस की स्थिति

आज होगा साफ, राष्ट्रपति हर्जोग के फैसले पर टिकी सबकी निगाहें

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल में नई सरकार किसकी होगी इसको लेकर तस्वीर अब भी साफ नहीं है। हाल ही संपन्न हुए चुनाव को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। अब रविवार को साफ होगा कि राष्ट्रपति इसाक हर्जोग किसे मौका देते हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट, दोनों ही बहुमत के आंकड़े से दूर हैं। ऐसे में हर्जोग के सामने चुनौती बड़ी है।



इसाक हर्जोग

एक उम्मीदवार को करेंगे आमंत्रित

राष्ट्रपति हर्जोग रविवार को सरकार गठन के लिए किसी एक उम्मीदवार को आमंत्रित करने वाले हैं। उन्होंने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि मैं आने वाले रविवार (8 नवंबर) को नेसेट (संसद) के एक सदस्य को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करूंगा। राष्ट्रपति के साथ राजनीतिक दलों के प्रमुखों की बातचीत गुरुवार को पूरी हुई। इस दौरान 120 सदस्यीय नेसेट (इजराइली संसद) के 67 सदस्यों ने आइजेनकोट के समर्थन में अपनी राय दी, जबकि नेतन्याहू को 46 सांसदों का समर्थन मिला।

आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में

हालांकि, चुनाव बाद संसद में मिले समर्थन के आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनकी राह भी आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह अरब पार्टियों का समर्थन है, जिसे आइजेनकोट सरकार में शामिल करने से इनकार कर चुके हैं। नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी और धार्मिक गठबंधन के पास 53 सीटें हैं।

लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस चीन सीमा से 23 किमी दूर

218 करोड़ से नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था

वायुसेना का गजराज 13 हजार फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित उतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान आईएल-76एमडी की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है।

आईएएफ के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। यह एयरबेस 1962 में शुरू हुआ था, लेकिन भारत-चीन युद्ध के बाद बंद कर दिया गया था।



लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर गजराज की लैंडिंग

चीनी सीमा पर तेजी से पहुंच सकेगी मदद

आईएएफ के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। गजराज की लैंडिंग के बाद अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है।

सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर जाता

सिंधु नदी के किनारे स्थित न्योमा, लेह से करीब 180 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। मुध-न्योमा नाम बेस के पास स्थित मुध गांव से लिया गया है। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। यहां सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर जाता है, जिससे एयरबेस पर विशेष रखरखाव ढांचे की जरूरत पड़ती है। न्योमा एयरबेस 13,710 फीट की ऊंचाई पर है और यह दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस में से एक है। इसमें 2.7 किमी लंबा रनवे है।

लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन

प्रस्तावित बिलासपुर-मनाली-लेह रेललाइन पर तंगलांग ला दर्रे के पास टेंगला में समुद्र तल से 17,582 फीट की ऊंचाई पर एक रेलवे स्टेशन बनाने की योजना है। इसके निर्माण के बाद यह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चिंगहाई प्रांत की सीमा पर चिंगहाई-तिब्बत रेलवे लाइन पर 16,627 फीट की ऊंचाई स्थित तांगगुला रेलवे स्टेशन को पीछे छोड़ देगा। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा चुकी है। प्रस्तावित परियोजना की लागत करीब 1.31 लाख करोड़ रुपए है। यह रेललाइन हिमालय के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से गुजरते हुए 489 किलोमीटर लंबा रेल संपर्क स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य केवल लद्दाख को रेल नेटवर्क से जोड़ना ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से अहम इस सीमावर्ती क्षेत्र तक सैन्य साजो-सामान और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही को मजबूत बनाना भी है। रक्षा मंत्रालय ने इसे रणनीतिक महत्व की परियोजना के रूप में चिह्नित किया है।



दीपोत्सव

मां नर्मदा के तट पर उतरा आस्था और भक्ति का उजियारा

मां नर्मदा में सनातनी थीम पर लेजर शो और आतिशबाजी ने बांधा समां

51 हजार दीपों से जगमगाया गौरीघाट



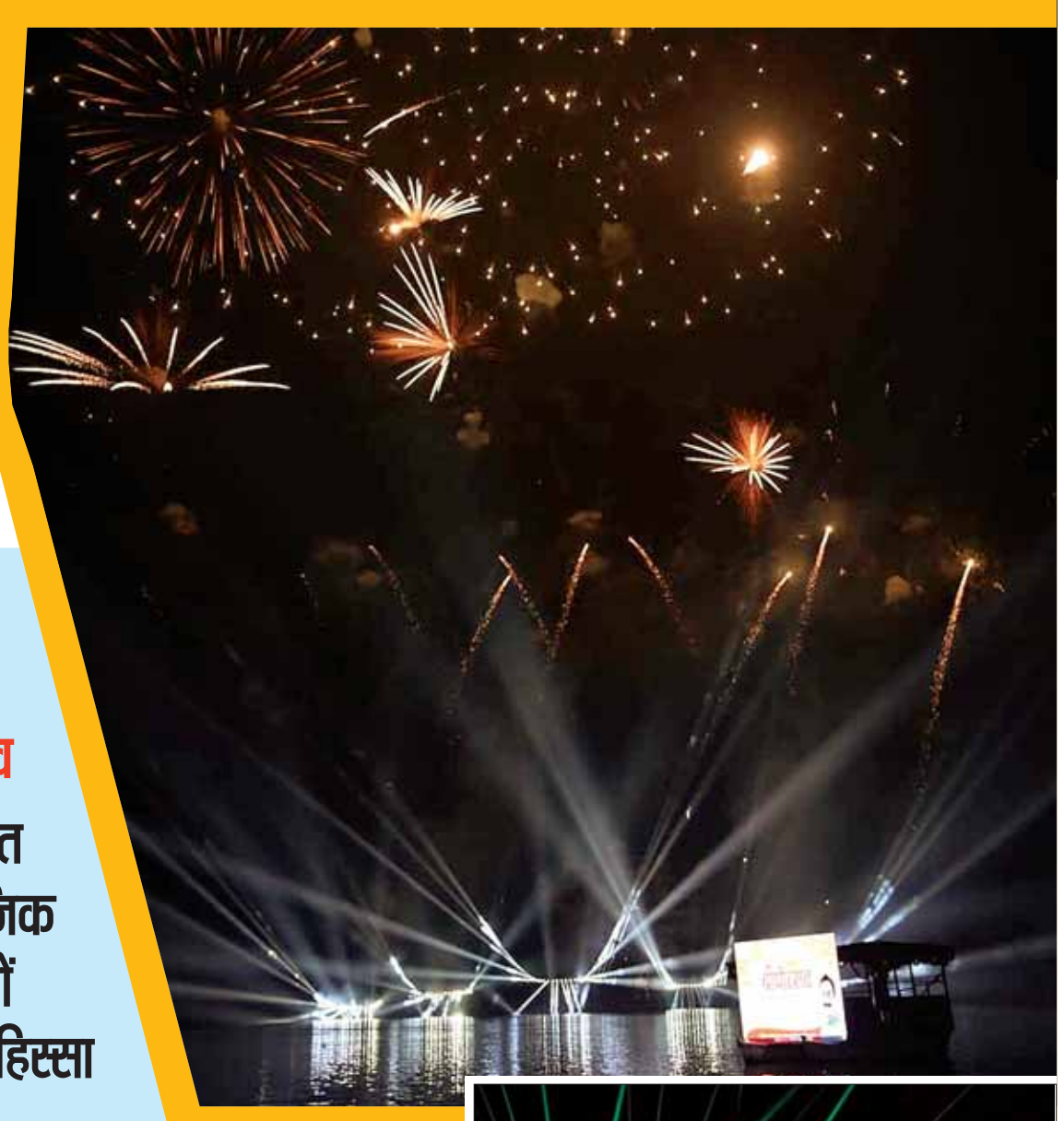

राकेश सिंह बोले- हमारी परंपराओं में है राष्ट्रीयता का भाव

हर घाट पर प्रज्वलित हुए दीप, 18 सामाजिक संगठनों और हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

मां नर्मदा के पावन तट गौरीघाट पर दीपावली की पूर्व संध्या पर आयोजित दीपोत्सव-2026 में आस्था, भक्ति और सामूहिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में गौरीघाट के सभी तट 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमगा उठे।

हरिभूमि जबलपुर।

दीपों की सुनहरी आभा, शंखनाद, मां नर्मदा अष्टक का सामूहिक पाठ और महाआरती से पूरा घाट भक्तिमय हो गया। वहीं सनातनी थीम पर आधारित लेजर शो और 15 मिनट से अधिक समय तक हुई आतिशबाजी ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं और शहरवासियों ने दीप प्रज्वलित कर मां नर्मदा से प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। शहर के 18 सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक संगठनों ने भी आयोजन में सहभागिता की। पूज्य संतों के सानिध्य में हुए इस आयोजन में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की मौजूदगी रही।

हमारी परंपराओं में राष्ट्रीयता, दीपोत्सव उसका उद्घोष : राकेश सिंह

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि दीपोत्सव सनातन की अभिव्यक्ति, मां नर्मदा की भक्ति और सामूहिकता की शक्ति का संगम है। हमारी परंपराओं में ही राष्ट्रीयता का भाव समाहित है और दीपोत्सव भारत की राष्ट्रीयता का उद्घोष है। दीपावली और प्रकाशोत्सव हमारी परंपरा के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की प्रेरणा और पूज्य संतों के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से यह आयोजन हर वर्ष भव्य स्वरूप ले रहा है। जब इस दीपोत्सव की शुरुआत की गई थी, तब कल्पना नहीं थी कि यह जनभागीदारी का इतना विराट उत्सव बन जाएगा। पहले ही वर्ष संतों के आशीर्वाद और सहमति से इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने का संकल्प लिया गया था। आज जबलपुरवासियों की श्रद्धा और सहभागिता ने इसे विशिष्ट पहचान दिलाई है। सिंह ने कहा कि यह केवल दीप जलाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति और सनातन परंपराओं से जुड़ने का सामूहिक संकल्प है। हजारों दीपों का प्रकाश हमारे संस्कारों, आदर्शों और जीवन मूल्यों का स्मरण कराता है। उन्होंने प्रदेश और देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मां नर्मदा से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना की।

संतों का मिला सानिध्य

आयोजन में जगतगुरु स्वामी डॉ. नरसिंहदेवाचार्य, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद, स्वामी बालगोविंदाचार्य, स्वामी गिरीशानंद, स्वामी राजाराम, चैतन्यानंद, पागलानंद महाराज, स्वामी कालीनंद, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, स्वामी अशोकानंद, साध्वी शिरोमणि, पं. वासुदेव शास्त्री, पं. तरुण चौबे, मैत्री दीदी, संतोष शास्त्री, हनुमान दास, रामतीर्थ और आचार्य जुगल किशोर सहित अनेक संतों का सानिध्य एवं आशीर्वाद मिला।

18 संगठनों ने निभाई सहभागिता

दीपोत्सव में गायत्री परिवार, रोटरी क्लब, प्रगतिशील ब्राह्मण महासंघ, सनातन धर्म हनुमान चालीसा, कैट संस्था, महाकौशल चेंबर ऑफ कॉमर्स, अधिवक्ता संघ, पॉवर ऑफ विमेन, कॉफी हाउस एसोसिएशन, आग्रह संस्था, सिंधु नेत्रालय, पंजाबी संघ, खेल संगठन, नाविक संघ, गौरीघाट व्यापारी संघ, नगर निगम कर्मचारी संघ, खाटू श्याम संगठन और यूनिटी संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, डॉ. प्रदीप दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, पूर्व महापौर प्रभात साहू, पूर्व विधायक हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, पूर्व जिलाध्यक्ष रानू तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त अविम कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी भी आयोजन में शामिल हुए।



शंखनाद से शुरुआत, महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

दीपोत्सव का शुभारंभ संतों के शंखनाद के साथ हुआ। इसके बाद संतों और जनप्रतिनिधियों के साथ श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर नर्मदा तट को दीपमालाओं से सजा दिया। सामूहिक रूप से मां नर्मदा अष्टक का पाठ किया गया और विधि-विधान से महाआरती हुई। हजारों श्रद्धालुओं ने आरती में शामिल होकर मां नर्मदा का आशीर्वाद लिया।

लेजर शो और आतिशबाजी रहे आकर्षण

आयोजन में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं पर आधारित लेजर शो का प्रदर्शन किया गया। आधुनिक तकनीक और रंग-बिरंगी रोशनी के संयोजन ने लोगों को आकर्षित किया। वहीं समापन के दौरान 15 मिनट से अधिक समय तक हुई रंगीन आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा। एक ओर नर्मदा तट पर हजारों दीपों की रोशनी और दूसरी ओर आसमान में आतिशबाजी का नजारा लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।













रोशनी और खुशियों का त्यौहार दीपोत्सव आज

जबलपुर।

घर-घर में खुशियां बिखेरने वाला रोशनी का पर्व दीपावली आज मनाया जायेगा। भारतीय संस्कृति के सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार की शुरूआत यूं तो धनतेरस के साथ ही हो चुकी है। किन्तु इस 6 दिनी पर्व का सबसे अहम दिन आज है, जो दीपोत्सव के रूप में आनंद और उल्लास के साथ मनाया जाता है। आज जहां धन सुख ऐश्वर्य समृद्धता की देवी श्री लक्ष्मी का पूजन विधि विधान के साथ किया जायेगा। वहीं झोपड़े से लेकर महलों तक अनगिनत दीप रोशन किये जायेंगे, जिनके आगे अमावस्या की काली रात भी जगमगा उठेगी। इससे पहले कल नरक चौदस मनाई गई, लोगों ने अपने घर का कूड़ा कचरा हटाया और साफ सफाई की। दीपावली के अगले दिन परवां और उसके बाद बुधवार 11 नवंबर को भाईदूज मनाया जायेगा।

घर-घर होगी लक्ष्मी पूजा, बाजारों में रौनक



लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार दीवाली का पर्व 08 नवंबर को मनाया जाएगा। लक्ष्मी पूजन मुहूर्तः शाम 05:54 बजे से शाम 07:50 बजे तक (अवधिः 1 घंटा 56 मिनट), प्रदोष कालः शाम 05:31 बजे से रात 08:09 बजे तक, वृषभ लग्नः शाम 05:54 बजे से शाम 07:50 बजे तक रहेगा। शुभ मुहूर्त में गणेश लक्ष्मी पूजन मंत्रों के जाप अनुष्ठान विशेष फलकारी होता है। मंत्र ॐ गणपतयै नमः, ॐश्री श्रियै नमः, ॐ श्री विष्णवे नमः, ॐ श्री कुबेराय नमः।

श्रीराम राज्यारोहण का महोत्सव

कार्तिक अमावस्या पर मनाये जाने वाले दीपावली पर्व का इंतजार वर्ष भर से रहता है। कहते हैं कि इसी दिन अयोध्या की प्रजा ने 14 वर्ष वनवास से लौटे भगवान श्री राम के राज्यारोहण को महोत्सव के रूप में मनाया गया था। घर-घर शुद्ध घी के दीप जलाये गये थे और तभी से इस महापर्व पर दीपावली की सजावट का महत्व बढ़ गया है। वैसे दीपावली के आयोजन के पीछे और भी तथ्य हैं। कार्तिक के महीने में खेतों से कटा अनाज खलिहानों तक पहुंच जाता है। जिसे उपयोग से पूर्व यज्ञ द्वारा भगवान को समर्पित किया जाता है। वास्तव में फसलें समृद्धि में वृद्धि करती हैं और यही कारण भी समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन इस दिन किया जाता है। आज दीपावली पर्व पर घर-घर खुशियां मनाई जायेंगी। चाहे मिट्टी के दीपक हों आधुनिक युग की देन मोमबत्ती और विद्युत से रोशन होने वाले दीपक, घर-घर इसका उपयोग किया जायेगा। शाम को देवी लक्ष्मी का पूजन घरों और प्रतिष्ठानों में किया जायेगा। बच्चे-बड़े सभी नये कपड़े पहनकर एक-दूसरे के साथ अपनी खुशियां बांटेंगे। जमकर आकाश में घनघोर आतिशबाजी की गूंज उठेगी। दीपावली के अगले दिन अन्नकूट मनाया जायेगा। इस दिन व्यापारी वर्ग अपना नया पर्व मनाते हैं और व्यापार के पुराने खातों को नया बनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि वर्षा के देवता इन्द्र देव की कृपा से ही घरों में धन-धान्य आता हैं और वर्षा के अंत पर लोग इंद्र का पूजन उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए करते हैं। प्रत्येक घरों में पकवान बनाये जाते हैं। लेकिन भगवान कृष्ण ने भोले-भाले ब्रजवासियों से कहा था कि इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। जिसके तराई के चारे से लाखों पशुओं का पालन होता है। इस पर नाराज इन्द्र देव ने शीघ्र वर्षा कर ब्रज को डुबो देना चाहा पर श्री कृष्ण जी ने गोवर्धन पर्वत को ही छतरी के रूप में ऊपर उठा लिया। लज्जित इंद्र ने श्री कृष्ण जी से क्षमा मांगी और तभी से इस दिन अन्नकूट मनाया जाने लगा। अन्नकूट के अगले दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीय पर भाईदूज मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाई का सत्कार करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि यमराज ने अपनी बहन यमुना से कहा था कि आज के दिन जो बहन अपने भाई का सत्कार करेगी, वह चाहे जितना ही बुरा क्यों ने हो, उसे अपने पाप से मुक्त कर दूंगा। तभी से भैया दूज का उत्सव प्रचलित हुआ।

17.60 लाख से बनेगा सामुदायिक भवन, हुआ भूमिपूजन



सिहोरा। नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 7 में 17.60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन सांसद आशीष दुबे एवं विधायक संतोष वरकड़े के मुख्य आतिथ्य तथा नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे की अध्यक्षता में आचार्य सियावल्लभ दास वेदांती महाराज (कटावधाम) के करकमलों से संपन्न हुआ।

विधायक संतोष वरकड़े ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। सामुदायिक भवन से नागरिकों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए सुविधा मिलेगी। पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने वेदांती महाराज का जन्मदिन मनाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक नंदनी मरावी, नीलेश अवस्थी, राजेश दाहिया, शारदा तिवारी, राकेश पाठक, राजमणि सिंह बघेल, अनुपम सराफ, रीता शुक्ला, अंकित तिवारी, नीरज पांडे, नरेंद्र त्रिपाठी, नीलू बाजपेयी, सीएमओ प्रदीप झारिया, सत्यप्रकाश खरे, अरुण जैन, अर्जुन पंजाबी, शिशिर पांडे, अंकुश नायक, जवाहर कोल, गीता पटेल, अमित खत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपावली-छठ पर सुरक्षा को लेकर रेलवे स्टेशन पर हुई सघन चेकिंग



जबलपुर। दीपावली एवं छठ पर्व के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने जीआरपी थाना जबलपुर एवं आरपीएफ द्वारा रेलवे स्टेशन पर संयुक्त सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सभी प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया, होल्डिंग एरिया एवं ट्रेनों की जांच की गई। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं लावारिस वस्तुओं की पड़ताल कर यात्रियों को सामान की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यात्रियों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। त्योहारों के दौरान सुरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी एवं आरपीएफ द्वारा लगातार निगरानी और संयुक्त चेकिंग जारी रहेगी।

108 हनुमान चालीसा पाठ से गूंजा संकटमोचन मंदिर



जबलपुर। आगामी नर्मदा परिक्रमा की सफलता एवं निर्विघ्न आयोजन की कामना से श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति जबलपुर द्वारा कछपुरा गढ़ा स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में 108 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। कार्तिक मास की नरक चतुर्दशी पर आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में संस्थापक पंडित मनमोहन दुबे के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान जी की आराधना की। इस दौरान 'संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलबीरा' के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। समिति संरक्षक जगतगुरु स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस पाठ में श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। आगामी 23 नवंबर 2026 को बैकुंठ चतुर्दशी पर होने वाली भव्य नर्मदा परिक्रमा की सफलता, मंगलमय आयोजन एवं श्रद्धालुओं के कल्याण की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा, संजय गौतम, पुजारी संजय पांडे, चंद्रशेखर शर्मा, मनोज पाटकर, जित्तु गुप्ता, नरेंद्र सिंह (वासु बाबा), गोपी सिंह ठाकुर, सत्य प्रकाश नामदेव, कृष्णा उपाध्य, के.एल. दीक्षित, अमित विश्नोई, प्रवीण नेमा, आदेश दीक्षित, मोहित पटेल, अतुल पटेल, प्रकाश हर्डिकर, प्रभाकर चतुर्वेदी, अनिल सुहाने, राजेश असाटी एवं डॉ. संदीप नेमा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण का संदेश लेकर निकले स्काउट्स-गाइड्स



जबलपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्थापना दिवस एवं ध्वज दिवस पर 7 नवंबर को जिला संघ जबलपुर द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने पनागर विधायक सुशील इंदु तिवारी, कैंट विधायक अशोक रोहाणी, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, जिला विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन एवं जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे सहित प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से सौजन्य भेंट कर संगठन का ध्वज स्टिकर भेंट किया और स्कार्फ पहनाकर शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने संगठन के गौरवशाली इतिहास, उद्देश्यों एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि स्काउटिंग युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रभक्ति एवं निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करने वाला राष्ट्रीय आंदोलन है। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा, नगर निगम अध्यक्ष एवं जिला संघ अध्यक्ष रिकुंज विज, जिला संरक्षक अजय तिवारी, जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी, हेडक्वार्टर कमिश्नर देवेन्द्र कुमार भट्ट, जिला सचिव व्ही.के. झारिया, जिला संयुक्त सचिव अमिता चौधरी, सुरेंद्र चौधरी (डीटीसी स्काउट), जिला समन्वयक राहुल राजपूत, सहायक जिला समन्वयक शुभम ठाकुर तथा क्लैप लीडर विहान एवं विराट सहित अन्य स्काउट्स उपस्थित रहे।

5.40 करोड़ से बना उच्च शिक्षा संभागीय कार्यालय लोकार्पित

जबलपुर।



अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग के नवीन भवन का लोकार्पण 7 नवंबर को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं कैंट विधायक अशोक रोहाणी की उपस्थिति में हुआ। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि यह भवन संभाग में उच्च शिक्षा के विस्तार और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अतिरिक्त संचालक प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने बताया कि 5.40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह मध्यप्रदेश का प्रथम संभागीय उच्च शिक्षा कार्यालय भवन है। समारोह में जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, अखिलेश जैन, इंजीनियर चंद्रशेखर पटेल एवं आशीष राव विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं पूजन से हुआ। संचालन डॉ. तृप्ति उकास ने किया तथा आभार डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने माना। आयोजन में डॉ. अरुण शुक्ला, डॉ. पवन शंकर तिवारी, डॉ. मयूर शिखा अग्रवाल, डॉ. रंजना मिश्रा सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

जमुनिया में कुबेर महाआरती, दर्शन को उमड़े हजारों श्रद्धालु



जबलपुर। धनतेरस पर भेड़ाघाट के ग्राम जमुनिया स्थित प्राचीन कल्चुरीकालीन भगवान कुबेर मंदिर में भव्य महाआरती आयोजित की गई। शंखनाद, घंटियों और जयकारों के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने दीप लेकर आरती में सहभागिता की। बरगी विधायक नीरज सिंह ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर महाआरती की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी, भाजपा भेड़ाघाट मंडल के कार्यकर्ता, सरपंच शिवप्रसाद पटेल, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लगभग एक हजार वर्ष से अधिक प्राचीन इस मंदिर की विशेषता जंजीरों में विराजमान भगवान कुबेर की प्रतिमा और परिसर में स्थापित दुर्लभ मूर्तियां हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन एवं पूजन से धन-धान्य और समृद्धि प्राप्त होती है। वर्ष 2015 में ग्रामीणों के प्रयासों से मंदिर की साफ-सफाई एवं संरक्षण की पहल शुरू हुई। लोकमाता मानकुंवर बाई, पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह, वर्तमान विधायक नीरज सिंह, सरपंच शिवप्रसाद पटेल एवं ग्रामवासियों का मंदिर के पुनरुत्थान में योगदान रहा। महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। ग्रामीणों ने पुरातत्व विभाग से मंदिर के संरक्षण एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकास की मांग की।

दीपावली-छठ पर रेलवे ने किए सुरक्षा और यात्री सुविधा के व्यापक इंतजाम



जबलपुर। दीपावली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में विशेष सुरक्षा एवं यात्री सुविधा प्रबंध किए गए हैं। जबलपुर, मदन महल, कटनी, सतना, भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी, बीना एवं कोटा स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर, हेल्प डेस्क और होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ द्वारा सघन चेकिंग की जा रही है। निगरानी में 840 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, मेटल डिटेक्टर एवं डॉग स्क्वाड की मदद ली जा रही है। कोटा मंडल में जवानों को 100 बॉडी वॉर्न कैमरे और 60 नेकबैंड माइक दिए गए हैं। ट्रेनों में ज्वलनशील सामग्री के अवैध परिवहन पर रोक, स्वच्छता, खानपान एवं समयबद्ध परिचालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की 'मेरी सहेली' टीमें भी सक्रिय हैं।

नए कपड़े और मिठाइयां बांट बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान



जबलपुर। मयूर मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा रांझी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर बच्चों को मेंहदी, नए कपड़े, मिठाई, टॉफियां एवं अन्य उपहार वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में संस्था संस्थापक गोविंद बिसेन, आशा जायसवाल, वंदना अग्रवाल, ज्योति गोंटिया, जयप्रकाश सेन, पारुल मेहरा, आयुषी गोंटिया एवं प्राची मेहरा उपस्थित रहे। गोविंद बिसेन ने कहा कि दीपावली की सार्थकता जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों का प्रकाश पहुंचाने में है। वंदना अग्रवाल एवं आशा जायसवाल ने भी समाज से जरूरतमंद बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां बांटने की अपील की। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निशा रेकवार ने ट्रस्ट के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दीपावली पर बच्चों को बांटे वस्त्र, खिले चेहरे



बरेला। दीपावली के पावन पर्व पर के.एल. सोनकर इंग्लिश मीडियम स्कूल परिवार द्वारा छात्र-छात्राओं को वस्त्र वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा करना रहा। कार्यक्रम में समाजसेवी भगवानदास साहू, स्कूल संचालक मदन कुमार साहू एवं सह-संचालक मयंक साहू सहित समस्त शाला परिवार उपस्थित रहा। अतिथियों ने कहा कि जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटना ही त्योहार की सच्ची सार्थकता है। वस्त्र पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर भविष्य में भी सामाजिक एवं जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

निधन

सुश्री काजल गुप्ता- निवाड़गंज सब्जी मंडी निवासी सुश्री काजल गुप्ता पिता श्री संजय (संजू) गुप्ता एवं आनंद गुप्ता, सुनील गुप्ता की भतीजी एवं अंकित, सजल की बहन का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार शनिवार को रानीताल मुक्तिधाम में सम्पन्न हुआ।



श्रीमती हेमवती बाई यादव- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट निवासी श्री पूरन लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती हेमवती बाई यादव (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हुब्बी लाल कोरी- उडिया मोहल्ला बड़ी ओमती निवासी श्री हुब्बी लाल कोरी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चंद्रावती गुप्ता- गली नं. 7, सदर निवासी श्री श्याम लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रावती गुप्ता (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमर सिंह राजपूत- छोटी ओमती बेलबाग रोड निवासी श्री अमर सिंह राजपूत (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती संध्या शर्मा- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री रवींद्र कुमार शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती संध्या शर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल चौधरी- खटीक मोहल्ला घमापुर चौक निवासी श्री अनिल चौधरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री फूल चंद कोल- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री फूल चंद कोल (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेंद्र रामरतन शर्मा- दयानगर यादव कॉलोनी निवासी श्री सुरेंद्र रामरतन शर्मा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शीला पासी- संजय गांधी नगर टीवी टावर के पास केंट निवासी श्री राम लाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती शीला पासी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कल्लू बाई चौधरी- बाबा टोला शास्त्री वार्ड निवासी श्री राम कुमार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कल्लू बाई चौधरी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लाली यादव- कांचघर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री मुन्नी लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती लाली यादव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बल्ले रैकवार- हनुमानताल थाने के पास निवासी श्री बल्ले रैकवार (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती माया पासी- शिवनगर अधारताल निवासी श्री बाबू लाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती माया पासी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुजीत कुमार गुप्ता- मदनमहल थाना महावीर डेरी के पास नेपियर टाउन निवासी श्री सुजीत कुमार गुप्ता (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

CHANGE OF NAME

I, **SHUBHANGI** (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No **15702329F** Rank **HAV** Name **MAHESH BELGAONKAR** presently, residing at **VILL -NANDGAD, PO-NANDGAD, TEH-KHANAPUR, DISTT- BELAGAVI (BELGAUM) (KARNATAKA)-591120** I, have changed of my name from **SHUBHANGI** (Name as per my Husband, Army service records) to **SHUBHANGI MAHESH BELGAONKAR** (name as per my **AADHAR CARD NO. 5645 5365 8717 AND PAN CARD NO. AOGPG4389G)** vide affidavit dated **06/11/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
SHUBHANGI MAHESH BELGAONKAR
INCORRECT NAME
SHUBHANGI

दीपावली के पहले ही मंदिरों-भवनों को सजाया

देश के नामी मंदिर और प्रसिद्ध स्थान जगमगाए, फूलों में डूबे केदारनाथ

दीपावली का पर्व पूरे देश में श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। हिंदू सनातन परंपरा में इस दिन धन, वैभव और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष विधान है। देशभर में माता लक्ष्मी के पूजन की परंपरा सदियों पुरानी है।

एजेंसी ▶▶ रुद्र प्रयाग

दीपावली के पावन अवसर पर उत्तराखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के मंदिर परिसर और गर्भगृह को करीब 18 से 20 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर को गेंदे और अन्य आकर्षक फूलों से सजाया गया है,और मंदिर के प्रवेश द्वार पर फूलों से 'जय श्री केदार' लिखा गया है। बाबा केदार के कपाट शीतकाल के लिए 11 नवंबर को विधिविधान के साथ बंद किए जाएंगे। दिल्ली के बुराड़ी (हिरण की रोड) क्षेत्र में श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट द्वारा केदारनाथ मंदिर का निर्माण प्रस्तावित/कार्यरत है, जिसकी प्रतिकृति तैयार की जा रही है।



केदारनाथ मंदिर को 20 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से सजाया।


झुंझुनूं। फूलों से सजे खेतड़ी के प्रसिद्ध मंदिर,सतरंगी रोशनी से जगमग हुए देवस्थान विभाग ने करवाई सजावट।

सलाखों के पीछे उम्मीदों की रोशनी

हाई सिक्योरिटी जेल में सीमित साधनों में बंदियों ने की सुंदर सजावट

अजमेर। अंधेरी तो देहरी पर है मगर उम्मीदों के दीये रोशन हैं, जिनके जीवन में सलाखों के पीछे अंधेरा है, वे भी रोशनी के सपने देखना नहीं भूले हैं। हाई सिक्योरिटी जेल, घूघरा, अजमेर में दीपावली के अवसर पर बंदियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से बड़ा संदेश दिया है। बंदियों ने सीमित संसाधनों के बीच कल्पनाशक्ति और हुनर से दीपावली की आकर्षक सजावट तैयार की है।



प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भवन में मनाई दिवाली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली के पावन अवसर पर राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति भवन जाकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की और दिवाली की बधाई दी। पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश के जरिए देशवासियों को दिवाली की बधाई दी और कहा कि प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने अपनी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी देश के वीर जवानों के साथ दिवाली मनाने की बात कही है।


नई दिल्ली। दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए हुई एक मुलाकात के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन सफल तो चढ़ाया सोने का दिल

मेवाड़। दिल की बीमारी से जूझने और सफल ऑपरेशन के बाद जालौर जिले के एक श्रद्धालु ने मनोकामना पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ को सोने से बना दिल भेंट किया। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्रीसांवलियाजी मंदिर में इस अनोखी भेंट का वजन 21 ग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।



विवेकानंद की तस्वीर पर अभद्र भाषा, 2 सस्पेंड

कोलकाता। प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यूनिवर्सिटी ने दो छात्राओं को निष्कासित कर दिया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की तस्वीर वाले एक पोस्टर पर अपमानजनक बातें लिखीं और अन्य संगठनों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। यह फैसला एक जांच समिति की ओर से सीसीटीवी फुटेज पर लिया।



मंत्री आर्य के पति गिरधारी गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू साहू को उत्तराखंड एसआईटी और पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी यूपी के झांसी जिले से हुई है। 15 अक्टूबर को पत्नी रेखा आर्य ने एफआईआर दर्ज कराई थी। साहू पिछले कई दिनों से यहां छिपा हुआ था। उन्हें देहरादून लाया गया।



जमीन विवाद में परिवार के 4 लोगों को मारी गोली

पटना। पटना में छोटी दीपावली के दिन शनिवार को दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। दीदारगंज थाना क्षेत्र के हीरानंदपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर 2पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। एक ही परिवार के 4लोगों को गोली लग गई। घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। हीरानंदपुर गांव में खेत में ट्रैक्टर से जुताई का काम हो रहा था।



एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की अटकलें बढ़ीं

मुंबई । प्रफुल्ल पटेल के अस्पताल में राकांपा प्रमुख शरद पवार से मिलने और 10 नवंबर के बाद संभावित मुलाकात पर चर्चा करने का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। राकांपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि यदि अजीत पवार जीवित होते तो इस फरवरी में ही दोनों गुटों का विलय हो गया होता। इससे राकांपा के गुटों के विलय पर चर्चा तेज हैं।



सोनिया को भाजपा ने दी नसीहत, कई मामलों का जिक्र किया

इटैलियन चश्मा उतारकर देखिए भारत की तरक्की, 12 वर्षों में देश कहां से कहां पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के मोदी सरकार पर लोकतंत्र और संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। भाजपा ने उन्हें पिछले 12 वर्षों में देश की तरक्की देखने की नसीहत दी। साथ ही पार्टी ने सोनिया के इमरजेंसी को सांविधानिक बताने वाले बयान पर भी सवाल उठाए। साथ ही बटला हाउस मुठभेड़, 1984 के सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा। सोनिया ने अपनी आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन से पहले एक अखबार को साक्षात्कार दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में देश के लोकतंत्र, संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की व्यवस्था को गहरा नुकसान हुआ है। यहां तक कि मोदी सरकार के जाने के बाद भी देश की संस्थाओं और व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में समय लगेगा।

नवीन ने बटला हाउस मुठभेड़, सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र किया



विदेश टूलकिट बनकर देश में अराजकता फैला रहे

नवीन ने राहुल पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी इस देश को अस्थिर करने के लिए, अराजकता पैदा करने के लिए, एक टूलकिट की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं। रिजीम चेंज को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्री कहते हैं कि राहुल गांधी के पास रिमोट बटन है। जब वो चाहेंगे तो 40 लाख लोग इस देश में अराजकता फैलाने के लिए तैयार खड़े हैं।

इमरजेंसी पर सोनिया गांधी ने क्या कहा, भाजपा को क्यों हुई आपत्ति?

सोनिया ने आपातकाल को सांविधानिक प्रक्रिया के तहत उठाया गया कदम बताया। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगी थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण का अधिकार भी निलंबित कर दिया गया था।

चुघ ने भी सोनिया पर किया पलटवार

देखिए, देश में आस्था की लहर दिखाई देगी



सोनिया के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता तरुण चुघ ने कहा कि सोनिया गांधी को 'इटैलियन चश्मा' उतारकर भारत की तरक्की देखनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है और भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। चुघ ने कहा कि अगर आप अपना इटैलियन चश्मा उतार देंगी तो आपको भारत की असली तस्वीर दिखाई देगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के साथ आगे बढ़ता भारत नजर आएगा। देशभर में आस्था की नई लहर दिखाई दे रही है, लेकिन सोनिया इसे पचा नहीं पा रही हैं।

जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांट रहीं

चुघ ने कहा कि सोनिया को अपनी किताब में कांग्रेस शासन के दौरान सामने आए कथित घोटालों का भी जिक्र करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांटने का आरोप लगाया।

चुघ ने मुद्दों की लगा दी झड़ी

चुघ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान विभिन्न घोटालों पर सोनिया अपनी किताब में क्या लिखेंगी? बटला हाउस मुठभेड़ में आतंकी के मारे जाने के बाद सोनिया के कथित तौर पर रोने को लेकर चुघ ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि ऐसा क्यों हुआ था? सैनिकों की शहादत पर सोनिया ने कोई बयान क्यों नहीं दिया?

भंडारी ने कहा

सोनिया केवल वोट बैंक की राजनीति कर रहीं

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोनिया पर इमरजेंसी को सही ठहराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सोनिया इंदिरा गांधी को पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उनका जनसंपर्क अभियान सच्चाई को नहीं छिपा सकता। भंडारी ने इमरजेंसी लगाने और 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा।



अभिषेक के घर पर हमले से भड़कीं ममता

हमारे ऊपर बुलडोजर चला दो भाजपा यहां कर रही 'गुंडागर्दी'

उपद्रवियों ने काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़-फोड़ की



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसकी प्रमुख ममता बेनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर 'गुंडागर्दी' का गंभीर आरोप लगाया है। ममता ने दावा किया कि शनिवार तड़के करीब 2:00 बजे कोलकाता के कालीघाट इलाके में ममता टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी के घर पर हमला करने के बाद उपद्रवियों के एक गिरोह ने स्थानीय काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़फोड़ और व्यवधान पैदा किया। काली पूजा और दिवाली के त्यौहार से ठीक पहले कालीघाट में हुई इस घटना के बाद बंगाल का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। ममता ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इंडी गठबंधन की एकजुटता से बौखलाई है और इसीलिए इस तरह के हथकंडे अपना रहा है।

ममता का पलटवार कार्यक्रम रद्द कर दिया

कालीघाट में ममता ने कहा, काली पूजा और दिवाली है। बीती रात 2:00 बजे अभिषेक के घर पर हमला किया गया। यह हमारा इलाका है, जहां से मां काली के कई जुलूस निकलते हैं। आप यहां इस तरह का उपद्रव क्यों पैदा कर रहे हैं? आपने हमारी पारंपरिक और वर्षों पुरानी पूजा की अनुमति रद्द कर दी और उसकी जगह नई पूजा आयोजित करने की इजाजत दे दी। बीती रात हमारे स्थानीय क्लबों को काम नहीं करने दिया गया। हम 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं, और यही गुस्से की वजह है। अगर भाजपा में हिम्मत है तो वह सीधे मुकाबला क लोग रात के 2:00 या 3:00 बजे आकर हमारे पार्टी दफ्तर और पूजा के कामों में खलल डालते हैं।

अभिषेक पर 6 महीने में 7 बार जानलेवा हमला

टीएमसी के सांसद कीर्ति आजाद ने गहरी चिंता जताते हुए दावा किया कि 56 महीनों के भीतर अभिषेक बेनर्जी पर यह 7वां जानलेवा हमला है। उन्होंने इस सिलसिले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं।कीर्त ने बताया, शुक्रवार रात 2:00 बजे अभिषेक के जन्मदिन के मौके पर लाठी-डंडों और पत्थरों से लैस उपद्रवियों ने 30 से 45 मिनट तक उनके परिसर पर हमला किया और संपत्तियों में तोड़फोड़ की। छोटी दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया।

दोसांझ के 'पटियाला पैग' पर बैन

इंदौर कॉन्सर्ट में नहीं गा सकेंगे ये चार गाने, बच्चे शामिल होंगे

एजेंसी ▶▶ इंदौर

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में 'पटियाला पैग' सहित 4 गानों पर रोक लगा दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने शराब, नशे और हथियारों का जिक्र होने के कारण ये निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा। इंदौर में15 नवंबर को होने वाले दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर नया विवाद सामने आया है। कार्यक्रम में दिलजीत 4 चर्चित गाने नहीं गा सकेंगे। विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने सी 21 मॉल प्रबंधन को पत्र लिखकर इन गानों को कार्यक्रम में शामिल नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इन गानों के बोल में शराब, नशे और हथियारों का जिक्र है। विभाग का कहना है कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश दिया जाएगा ऐसे में इस तरह के गानों का उन पर गलत असर पड़ सकता है।



23 साल बाद 'जैनी प्रकरण' गरमाया

हरक पर लगाए गंभीर आरोप सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड की राजनीति का सबसे चर्चित और हाई-प्रोफाइल 'जैनी प्रकरण' करीब 23 साल बाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस मामले की मुख्य केंद्र रही जैनी (मूल नाम इंदिरा देवी/इंदिरा देवरी) ने देहरादून के उत्तरांचल प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके और सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके अपनी लंबी चुप्पी तोड़ी है।उन्होंने इस मामले में कई चौंकाने वाले बयान दिए हैं और उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर दोबारा गंभीर आरोप लगाए हैं। जैनी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुहार लगाई है कि उनके मामले की सीबीआई जांच दोबारा हो। जैनी ने कहा कि उनके 23 साल के बेटे को उसके पिता का नाम और उसका कानूनी हक मिलना चाहिए।



रेल मंत्री वैष्णव ने कही और सुधार की बात

जल्द दौड़ेंगी 1000 से ज्यादा ट्रेनें

त्योहारों पर यात्रियों को मिलेगी राहत अतिरिक्त ट्रेनें चलाईं, और चलाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

त्योहारों से पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में 'वॉर रूम' की तैयारियों और कामकाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हम सुधार करना जारी रखेंगे। वैष्णव ने बताया कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान प्रति वर्ष सबसे अधिक भीड़ होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने, सेवाओं में सुधार करने और यात्रियों को अधिक से अधिक सहूलियत देने के लिए लगातार काम कर रही है।

1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चलाएंगे



हम 1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चलाने वाले हैं। इस दौरान अत्यधिक दबाव, माल ढुलाई और क्षमता विस्तार की दीर्घकालिक परियोजनाओं पर कहा, 'अभी हम अत्यधिक दबाव (पीक कंजेशन) के दौर से गुजर रहे हैं। हमारी लगातार कोशिश क्षमता विस्तार पर केंद्रित है।

नई दिल्ली में यात्री सुविधाओं का जायजा लिया

वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं और दिवाली तथा छठ के त्योहारों के समय बढ़ने वाली भीड़ से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों से बातचीत भी की।

कर्नाटक ई-20 विवाद : सरकार ने जांच के तरीके पर उठाए सवाल

केंद्र ने ज्यादा इथेनॉल मिलावट के दावे को किया खारिज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने कर्नाटक के कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा इथेनॉल मिलाने के दावों को खारिज कर दिया। केंद्र ने राज्य की जांच पर सवाल उठाए और कहा कि देशव्यापी गुणवत्ता निगरानी के तहत राज्य में जांचे गए सभी 56 सैंपल तय ई20 मानकों पर खरे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि 3 सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने स्पष्ट किया है 26-31 % इथेनॉल मिलावट के दावे तय गलत हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्य सरकार के दावों को नकारा

बड़ी तेल कंपनियों ने जांच को गलत बताया



ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप

मंत्रालय ने कहा कि देशभर में कर्नाटक सहित इन तीनों कंपनियों द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप है, जो इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का मानक है।कंपनियों ने सैंपलिंग प्रक्रिया और जांच पद्धति पर चिंता जताई है।मंत्रालय के अनुसार यह एक उचित प्रक्रिया के तहत जारी किया है।

सरकार ने कहा- मानकों पर जांच की

तय प्रक्रिया के तहत छह एक-लीटर के सैंपल लिए जाने हैं, जिनमें से दो डीलर को दिए जाते हैं, 2 तेल कंपनी या विभाग के पास रखे जाते हैं और 2नामित प्रयोगशाला को भेजे जाते हैं। सरकार ने कहा कि सितंबर 2026 के दौरान लिए गए सैंपल राज्य स्तरीय समन्वयक के माध्यम से नामित ओएमसी प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे और

राज्य ने तकनीकी जानकारी नहीं दी

जांच में कथित तौर पर ओएमसी प्रतिनिधियों की भागीदारी के बिना ही सैंपल लिए गए। कंपनियों को राज्यस्तरीय समन्वयक के माध्यम से मांगने के बावजूद संबंधित रिटेंशन सैंपल, आउटलेट-वार पूरी जानकारी या लैब रिपोर्ट नहीं मिली है। निष्कर्ष कंट्रोल ऑर्डर के तहत तय प्रयोगशाला के बजाए एक थर्ड पार्टी प्रयोगशाला द्वारा जारी प्रमाणपत्रों पर आधारित थे।

कोच्चि में सीजेपी का प्रदर्शन

दीपके ने 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' कहा, ज्ञानेश को जाना ही होगा!

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शनिवार को केरल के कोच्चि में चुनाव आयोग की एसआईआर के खिलाफ एक बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन को 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' नाम दिया गया है। शनिवार शाम 4 बजे कोच्चि के राजेंद्र मैदान (मरीन ड्राइव) से विरोध मार्च शुरू हुआ। सीजेपी एसआईआर को तुरंत वापस लेने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग कर रही है, ताकि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था स्थापित हो सके। दीपके के साथ अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। दीपके ने कहा कि यह आम जनता का प्रदर्शन है। उन्होंने सीईसी पर निशाना साधा और सोशल मीडिया में लिखा कि यह तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक हम न कहें कि यह खत्म हो गया है। ज्ञानू (ज्ञानेश कुमार) को जाना ही होगा!



आडवाणी : एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा



व्यक्तित्व
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आज लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

आज 8 नवंबर को लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है..."जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं।" ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी।





जनसंघ को मजबूत बनाया

इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा। कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी। यहां मैं उनके व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया। आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे। राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं। साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं, लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की शपथ

आडवाणी जी ने इस रथयात्रा में जिस जीवटता और संकल्प शक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है। इस यात्रा से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। बिहार में आडवाणी जी की गिरफ्तारी हम सभी के लिए बहुत दुखद क्षण था। उस समय गुजरात में भाजपा ने चिमनभाई पटेल की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके पीछे संदेश बिल्कुल स्पष्ट था...अपनी विचारधारा और राम मंदिर के निर्माण के संकल्प पर कोई समझौता नहीं होगा। हमारे अनेक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होकर ही रहेगा। और फिर वर्षों बाद वो ऐतिहासिक अवसर भी आया, जब जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का सपना साकार हुआ। आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था। आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं।

2024 में 'भारत रत्न' से सम्मानित

इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक '**My Country My Life**' में इसकी सुंदर झलक मिलती है। आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सिंधु दर्शन पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। आडवाणी जी की इस असाधारण जीवन यात्रा की बात हो और कमला आडवाणी जी का उल्लेख न हो, तो ये यात्रा अधूरी रह जाएगी। इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला जी हमेशा उनकी शक्ति और संबल बनी रहीं। हर कदम पर उनका साथ दिया। कराची में पले-बढ़े आडवाणी जी ने शायद ही कभी कल्पना की होगी कि जीवन उन्हें कितनी लंबी और असाधारण यात्रा पर ले जाएगा। देश के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। आज जब आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

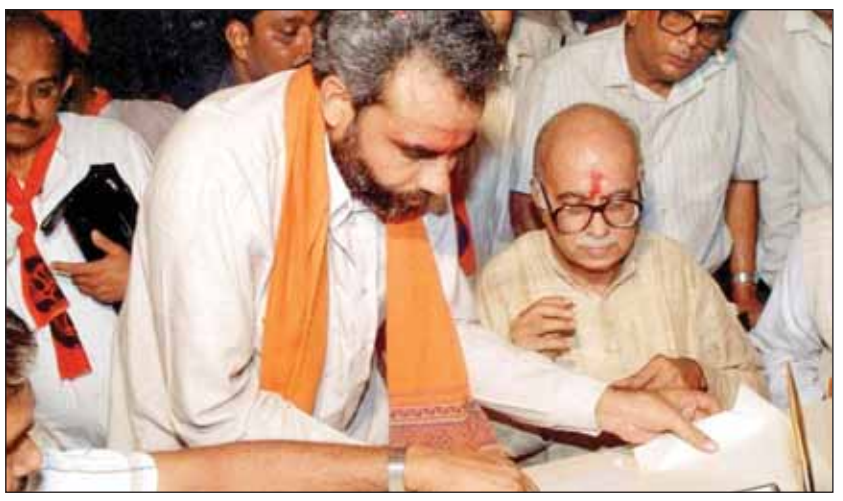



सोमनाथ से अयोध्या की रथयात्रा

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है। आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे सुरक्षा बलों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किए, उन्हें आज भी बड़े आदर और आत्मीयता से याद किया जाता है। आतंकवाद के खिलाफ उनका रुख हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रहा। उनके इसी संकल्प के कारण देश को आतंकवाद से निपटने के लिए एक सख्त कानून मिला। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

गुजरात से पुराना नाता रहा

इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है। आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। एक सांसद के रूप में आडवाणी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे। 1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला।

अमेरिका के प्रति संतुलित रुख रखे भारत



मंथन
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह पहला मौका नहीं है कि जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को मध्यावधि चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा हो। अमेरिकी इतिहास में 1934 से अब तक सिर्फ तीन ऐसे मौके आए हैं, जब मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को जीत मिली। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी मध्यावधि चुनाव में हार मिली थी। यह बात और है कि तब हार इतनी बड़ी नहीं थी।

लोकतांत्रिक समाज में हर चुनावी नतीजे का असर होता है। अगर नतीजे व्यापक हों तो उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अमेरिका के इन चुनाव नतीजों का असर सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, जिसमें अपना देश भी शामिल है। चूंकि अमेरिकी संसद, कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रजेंटिव और सीनेट में अब विपक्षी डेमोक्रेट का बहुमत हो गया है, इसलिए ट्रंप को अपनी नीतियों को लागू करना आसान नहीं होगा। डेमोक्रेट सांसद उनके प्रस्तावों को रोक सकते हैं या उनमें सुधार प्रस्तावित कर सकते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास वीटो का ताकतवर हथियार है, जिसका वह इस्तेमाल करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से कह सकते हैं कि वे अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करने से नहीं रुकेंगे। अमेरिकी लोकतंत्र की एक खासियत है कि वहां की नीतियां जनमत के पैरामीटर के साथ गिरती और उठती रही हैं। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है। उन पर भरोसा करना मुश्किल है। जिस रूस से तेल खरीदने के लिए वे भारत पर टैरिफ लाद रहे थे, उसी रूस से खुद उन्होंने ही तेल खरीदना शुरू कर दिया। इसलिए मौजूदा मध्यावधि चुनाव नतीजों के बाद भारत को न तो ज्यादा उत्साहित होने की बात है और न ही ज्यादा निराश होने की। भारत को पहले की ही तरह संतुलित रुख अख्तियार किए रखना होगा। भारतीय नेतृत्व और कूटनीति के लिए अच्छी बात यह है कि उनका अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट-से बेहतर संबंध रहा है। इसलिए रिपब्लिकन ट्रंप और डेमोक्रेट सांसदों के बीच भारत को संतुलन बनाए रखना होगा। अव्यवस्थित चित्त वाले ट्रंप और सधी हुई राजनीति करने वाले डेमोक्रेट सांसदों से भरी अमेरिकी संसद से भारत को संतुलित संबंध बनाए रखना होगा। फिर भी मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि अमेरिकी चुनाव के मौजूदा नतीजे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन परिणामों का भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात के साथ ही वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच जारी रक्षा और सामरिक सहयोग पर भी प्रभाव दिख सकता है। चूंकि अमेरिका आज के दौर में भारतीय उत्पादो का बड़ा बाजार है, इसलिए अमेरिकी टैरिफ नीति में छोटे से छोटे परिवर्तन का असर सीधे तौर पर भारतीय निर्यातकों पर पड़ता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अभी तक परवान नहीं चढ़ पाया है। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अपने आखिरी दौर में है। इन चुनाव नतीजों से उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका में रह रहे और वहां जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय पेशेवरों को थोड़ी आसानी होगी। चूंकि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका आने वाले लोगों की वीजा नीति और वर्क परमिट में खासा बदलाव किया है। अब हो सकता है कि डेमोक्रेट बहुमत वाली अमेरिकी संसद इस प्रस्ताव में कुछ छूट सुझाए। पूरी दुनिया में महंगाई की वजह ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान पर किया गया हमला और उससे उपजी परिस्थितियां रही हैं। अब संसद पर ट्रंप की पकड़ कमजोर हुई है, लिहाजा अब ज्यादा दिन तक ईरान युद्ध नहीं चल सकता। इससे जहां कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ सकता है, वहीं वैश्विक रक्षा खर्च भी कम हो सकता है। चूंकि भारत अपनी ईंधन जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतें घटने से घरेलू अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।



अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है।

भारतवंशियों की बड़ी जीत के मायने



अमेरिकी संसद
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के 2026 के मध्यावधि चुनावों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति और अमेरिकी समाज की बदलती सोच को लेकर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, छह भारतवंशी उम्मीदवारों के अमेरिकी संसद में पहुंचने की खबर ने भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती राजनीतिक ताकत को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। चुनाव परिणामों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी सफलता के साथ मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सईद अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। अमेरिकी संसद में आधा दर्जन भारतवंशी नेताओं का पहुंचना भी इस चुनाव का महत्वपूर्ण पहलू है। इनमें चार पुराने सांसदों ने अपनी सीट बरकरार रखी, जबकि दो नए चेहरों ने अमेरिकी राजनीति में जगह बनाई।

इन छह नेताओं में अमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम, पिया दांडिया और अमीश शाह शामिल हैं। ये सभी डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े हैं। अमी बेरा कैलिफोर्निया से आठवीं बार प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए हैं। रो खन्ना सिलिकॉन वैली वाले कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय क्षेत्र से फिर जीते हैं। प्रमिला जयपाल ने वाशिंगटन राज्य से अपनी सीट बरकरार रखी है। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई मूल की महिला हैं। सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया से अपनी सीट बचाई, जबकि पिया दांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें संसदीय क्षेत्र से जीतकर पहली बार अमेरिकी संसद में प्रवेश किया। अमीश शाह की जीत ने भी भारतवंशी प्रतिनिधित्व को मजबूती दी। इनकी सफलता का अर्थ केवल इतना नहीं है कि भारतीय मूल के लोगों की संख्या अमेरिकी राजनीति में बढ़ रही है। इसका एक बड़ा अर्थ यह है कि अप्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी अब अमेरिकी राजनीति में केवल मतदाता या आर्थिक योगदानकर्ता बनकर नहीं रहना चाहती, बल्कि नीतियां बनाने और सत्ता के केंद्र में अपनी भूमिका भी सुनिश्चित कर रही है। भारतीय मूल के इन नेताओं की प्राथमिकताएं भी अलग-अलग हैं। कोई स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक असमानता पर जोर देता है तो कोई अप्रवासन सुधार, शिक्षा, तकनीक और नागरिक अधिकारों को प्रमुखता देता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय मूल का समुदाय राजनीतिक रूप से एक जैसा नहीं है। उसके भीतर विचारों और प्राथमिकताओं की विविधता है। 2026 के चुनावों में मुस्लिम और भारतवंशी उम्मीदवारों की सफलताएं इस स्थिति में बदलाव का संकेत देती हैं। अब अप्रवासी पृष्ठभूमि के लोग अमेरिकी राजनीति के शीर्ष संस्थानों में पहुंच रहे हैं। वे केवल अपने समुदायों की आवाज नहीं उठा रहे, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, विदेश नीति और सामाजिक न्याय जैसे व्यापक मुद्दों पर भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यहां मुस्लिम और भारतीय मूल के नेताओं की जीत को ट्रंप की नीतियों के खिलाफ जनमत संग्रह मान लेना सही नहीं होगा। बेशक, इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में अब्दुल अल-सईद की जीत है। मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अल-सईद ने रिपब्लिकन प्रत्याशी माइक रोजर्स को हराकर इतिहास रचा। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम हैं। इस बीच, एक सवाल यह भी है कि क्या अप्रवासियों के खिलाफ ट्रंप की सख्त नीतियों और राजनीतिक बयानों ने अमेरिकी मतदाताओं के एक वर्ग को उनसे दूर किया है? क्या इन नतीजों को अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समाज की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं के रूप में देखा जाना चाहिए? डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति में अप्रवासन का मुद्दा हमेशा प्रमुख रहा है। लेकिन इस नीति का दूसरा पहलू भी है। 2026 के चुनाव में डेमोक्रेट्स की सफलता के पीछे केवल अप्रवासन का मुद्दा नहीं था। महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध, व्यापारिक तनाव और ट्रंप प्रशासन के कामकाज को लेकर असंतोष भी प्रमुख कारणों में शामिल रहे। अमेरिका के 2026 के चुनावों को केवल रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के बीच सत्ता की लड़ाई के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इन नतीजों में अमेरिकी समाज की बदलती जनसांख्यिकी, अप्रवासी समुदायों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की नई आकांक्षाएं भी दिखाई देती हैं।



अमेरिका के 2026 के चुनावों को केवल रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के बीच सत्ता की लड़ाई के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इन नतीजों में अमेरिकी समाज की बदलती जनसांख्यिकी, अप्रवासी समुदायों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की नई आकांक्षाएं भी दिखाई देती हैं।

दैहिक, दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।
सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

राम-राज यानी आदर्श शासन। त्रेता युग में श्रीराम का शासन इसकी मिसाल रहा। प्रेम, करुणा, सद्भाव के साथ न्याय का राज चला। युग बदले और राजकाज का तौर तरीका भी बदलते गया। कालखंड के चौथे भाग कलयुग में राम राज की कल्पना मुश्किल लगती है, लेकिन देश में ऐसे दर्जनों गांव हैं, जहां आज भी राम-राज जैसे हालात हैं। छग में एक गांव तो ऐसा है, जहां 100 बरस से कोई अपराध नहीं हुआ, यह महज बानगी है। मदिरा सेवन से परहेज, रोजाना रामधुन, अपराध से विमुख ऐसे गांवों को हरिभूमि ने इस बार टटोला। ग्रामीणों से बात की और सिस्टम को समझा।

घाना में दीपावली पर सोलर लाइटों से रोशन होते हैं अंधेरे गांव, अकरा के उत्सवों में जुटते हैं लोग

दीपावली का अर्थ है अंधकार से उजाले की ओर बढ़ना। भारत में घर-आंगन में दीप जलाकर मनाया जाने वाला यह पर्व घाना में एक अलग ही अर्थ के साथ दिखाई देता है। यहां दीपावली के अवसर पर भारतीय समुदाय के लोग उन दूरदराज के गांवों तक रोशनी पहुंचाने की पहल करते हैं, जहां अब तक बिजली नहीं पहुंची है। सोलर स्ट्रीट लाइटों के जरिए गांवों की गलियों को रोशन करने की यह कोशिश दीपोत्सव के मूल भाव को सामाजिक सरोकार से जोड़ती है। दूसरी ओर, राजधानी अकरा में भारतीय उच्चायोग के दीपावली उत्सव और मेले में स्थानीय घाना के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। वे भारतीय व्यंजनों का स्वाद लेते हैं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाते हैं और भारतीय परंपराओं को करीब से जानने का अवसर पाते हैं।

घाना और केन्या

पेट्रोलियम इंजीनियर 43 वर्षीय कोफी बताते हैं कि अकरा में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित दीपावली उत्सवों और मेले में स्थानीय लोगों की अच्छी भागीदारी रहती है। घाना के प्रसिद्ध स्थानीय डांस ग्रुप बॉलीवुड गीतों और भारतीय थीम पर अपनी पारंपरिक अफ्रीकी ऊर्जा के साथ शानदार प्रस्तुतियां देते हैं। भारतीय संगीत और अफ्रीकी नृत्य की यह जुगलबंदी उत्सव को एक अलग पहचान देती है। घाना के बड़े होटलों और क्लबों में भी दीपावली नाइट्स आयोजित होती हैं, जहां भारतीय समोसे के साथ घाना का प्रसिद्ध व्यंजन 'जोलोफ राइस' परोसा जाता है। एक ही आयोजन में दो देशों के स्वाद और संस्कृतियां घुल-मिल जाते हैं।

कोको किसान और प्रबंधक अदजोआ बताती हैं कि हाल के वर्षों में घाना के भारतीय समुदाय ने स्थानीय लोगों और समाजसेवियों के साथ मिलकर दीपावली पर एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन दूरदराज के गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाती हैं, जहां बिजली की सुविधा नहीं है। इस पहल से गांवों की गलियों में रोशनी पहुंचती है और दीपावली का संदेश जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचता है। यह मानो मिट्टी के दीयों से निकलकर उजाले का किसी गांव की पूरी बस्ती तक पहुंच जाना है। घाना की तरह केन्या में भी दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत की परंपरा दिखाई देती है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले 32 वर्षीय जॉमो बताते हैं कि दीपावली से पहले लोग अपने घरों की अच्छी तरह साफ-सफाई करते हैं, ताकि मां लक्ष्मी का स्वागत किया जा सके। घरों को रंग-बिरंगी रंगोली, दीयों और मोमबत्तियों से सजाया जाता है। स्थानीय मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं, भजन और महालक्ष्मी पूजन होते हैं। मंदिरों में प्रसाद, चाय और भोजन वितरित किया जाता है। लोग नए और चमकीले पारंपरिक कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे को मिठाइयां और उपहार देते हैं तथा सामूहिक भोज में शामिल होते हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़ीं किप्रोटिच बताती हैं कि केन्या में दीपावली सीमित या वैकल्पिक अवकाश की श्रेणी में आती है। इसलिए अधिकांश कार्यालय और व्यवसाय सामान्य दिनों की तरह खुले रहते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय के लोग छुट्टी लेकर या कामकाज के बाद एकत्रित होकर दीपावली मनाते हैं।

दीपावली उत्सव और मेले में घाना के कलाकारों की प्रस्तुति, केन्या में घरों की सफाई और सजावट कर मां लक्ष्मी का स्वागत करते हैं श्रद्धालु





घाना और केन्या की ये तस्वीरें दीपावली के दो अलग-अलग लेकिन खूबसूरत रूप सामने लाती हैं। कहीं भारतीय और अफ्रीकी संस्कृति संगीत, नृत्य और खानपान के जरिए करीब आती हैं, तो कहीं एक दीपोत्सव किसी अंधेरे गांव की गलियों तक रोशनी पहुंचाने का माध्यम बनता है। यही दीपावली का वह उजास है, जो सीमाओं से परे जाकर उत्सव को अपनत्व और मानवीय संवेदना से जोड़ देता है।

लागोस और अबुजा के दीपावली मेलों में नाइजीरियाई बच्चों और कलाकारों की भागीदारी; भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और व्यंजनों का भी लेते हैं स्वाद

भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का तड़का नाइजीरिया में दीपावली पर थिरकते हैं स्थानीय



जब बॉलीवुड के गीतों पर अफ्रीकी बीट्स का तड़का लगता है और भारतीय धुनों के साथ नाइजीरियाई संगीत की लय घुलती है, तो एक ऐसा रंगीन संगम बनता है, जिसमें दो देशों की संस्कृतियां एक-दूसरे के करीब आ जाती हैं। नाइजीरिया में दीपावली के उत्सव कुछ इसी अंदाज में मनाए जाते हैं। यहां भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ स्थानीय नाइजीरियाई नागरिक भी इस पर्व की खुशियों में शामिल होते हैं। लागोस और अबुजा जैसे शहरों में आयोजित होने वाले दीपावली मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत, नृत्य और भारतीय खानपान के जरिए दोनों संस्कृतियों का सुंदर मेल देखने को मिलता है।

27 वर्षीय डेटा साइंटिस्ट अबाबायोमी बताते हैं कि नाइजीरिया में भारतीय प्रवासियों की बड़ी आबादी रहती है, विशेषकर लागोस और अबुजा जैसे शहरों में। भारतीय समुदाय के साथ लंबे समय से बने सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण स्थानीय नाइजीरियाई लोग भी दीपावली के आयोजनों में उत्साह से हिस्सा लेते हैं। लागोस में हर साल आयोजित होने वाला दीपावली मेला इसका प्रमुख उदाहरण है। इंडियन कल्चरल एसोसिएशन की ओर से आयोजित इन बड़े मेलों और पार्टियों में स्थानीय नागरिकों के साथ राजनेता और राजनयिक भी मेहमान के रूप में शामिल होते हैं।

इन आयोजनों में नाइजीरियाई बच्चे और स्थानीय कलाकार भारतीय बच्चों के साथ बॉलीवुड गीतों पर नृत्य करते हैं। खास बात यह है कि भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का ऐसा मेल किया जाता है कि संगीत की धुनें दोनों संस्कृतियों की पहचान बन जाती हैं। बॉलीवुड की लोकप्रिय धुनों पर अफ्रीकी लय का यह संगम उत्सव को एक अलग ही रंग देता है। यहां नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मेल-मिलाप की भाषा बन जाता है। दीपावली के इन आयोजनों में खानपान भी आकर्षण का केंद्र रहता है। भारतीय संस्कृति को पसंद करने वाले स्थानीय नाइजीरियाई लोग भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेते हैं। इस तरह दीपावली उनके लिए भारत की परंपराओं, स्वाद और उत्सवधर्मिता को करीब से जानने का अवसर बन जाती है।

जा पर कृपा राम की होई। ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया। तिनके हृदय बसहु रघुराया॥

जिन पर राम की कृपा होती है, उन्हें कोई सांसारिक दुःख छू तक नहीं सकता। परमात्मा जिस पर कृपा करते है उस पर तो सभी की कृपा अपने आप होने लगती है । और जिनके अंदर कपट, दम्भ (पाखंड) और माया नहीं होती, उन्हीं के हृदय में रघुपति बसते हैं अर्थात उन्हीं पर प्रभु की कृपा होती है।

नाइजीरिया



नाइजीरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि संस्कृति का संवाद कई बार संगीत की एक धुन, नृत्य के एक कदम और मिठाई के एक स्वाद से शुरू होता है। भारतीय गीतों में घुलती अफ्रीकी बीट्स इस बात का सुंदर उदाहरण हैं कि अलग-अलग देशों की परंपराएं जब मिलती हैं, तो उत्सव के नए रंग जन्म लेते हैं।

सोइ जानइ जेहि देहु जनाई। जानत तुम्हहि तुम्हइ होइ जाई॥
तुम्हरिहि कृपाँ तुम्हहि रघुनंदन। जानहिं भगत भगत उर चंदन॥

हे प्रभु! आपको वही जान पाता है जिसे आप जाना देते हैं, और जो आपको जान लेता है, वह आपका ही स्वरूप बन जाता है, अतः हे रघुनंदन! भक्तों के हृदय को शीतल करने वाले चंदन! आपकी कृपा से ही भक्त आपको जान पाते हैं।

विदेशों में बसे भारतीय उत्साह के साथ मनाते हैं दिवाली, भाई-दूज, छठ पूजा आदि का त्योहार

विदेशों में भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है









विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

भारत अपनी विविध संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। चाहे व्यक्ति कहीं भी चला जाए, भारतीयता और अपने त्योहारों की खुशबू हमेशा उसके दिल में रहती है। यही कारण है कि विदेशों में बसे भारतीय हर साल दिवाली, भाई-दूज, होली या छठ पूजा जैसे त्योहारों को उतने ही धूमधाम से मनाते हैं जितना भारत में। अमेरिका, यूके के साथ ही भारत से बाहर सबसे अधिक भारतीय मूल के लोग संयुक्त अरब अमीरात , कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, फिजी, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका और त्रिनिदाद एंड टोबैगो में रहते हैं और दिवाली मनाते हैं। यहां के भारतीय बताते हैं कि यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं बल्कि परिवार और समुदाय को जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं। दिवाली विदेशों में स्थानीय संस्कृति का भी हिस्सा बनती जा रही है। भारतीय कहते हैं कि विदेशों की गलियों में जब भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है।

कनाडा में लक्ष्मी पूजा, प्रार्थना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

बिलासपुर निवासी विकास ठाकुर कनाडा के कैलगरी शहर में रहते हैं। वे टीसीएस कंपनी में मैनेजमेंट हेड हैं। विकास बताते हैं कि त्योहारों की बात हो और भारतीय उसमें शामिल न हों, ऐसा कैसे हो सकता है। चाहे सात समंदर पार ही क्यों न हो, भारतीय हर त्योहार को पूरे दिल से मनाते हैं। टोरंटो, वैंकूवर, कैलगरी और मॉन्ट्रियल जैसे बड़े शहरों में मंदिर, सांस्कृतिक संस्थाएँ और स्थानीय समुदाय मिलकर इस पर्व को मनाते हैं। वे बताते हैं कि कनाडा के प्रमुख शहरों की सड़कों पर विशेष दिवाली मेलों का आयोजन होता है, जहाँ लोग पारंपरिक भारतीय परिधान पहनते हैं, दीये जलाते हैं, आतिशबाजी करते हैं और मिठाइयों का आनंद लेते हैं। कनाडाई संसद (पार्लियामेंट हिल) सहित विभिन्न सरकारी और सामाजिक मंचों पर भारतीय मूल के सांसदों और समुदाय के लोगों द्वारा दिवाली मिलन समारोह और पार्टियाँ आयोजित की जाती हैं।

यूके और आस्ट्रेलिया में भी दिवाली की मचती है धूम

यूनाइटेड किंगडम में तो भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। विशेषकर लंदन, लीसेस्टर, मैनचेस्टर और बर्मिंघम जैसे शहरों में। यहाँ दिवाली का उत्सव बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है। लीसेस्टर सिटी की दिवाली लाइटिंग दुनिया में भारत के बाहर सबसे बड़ी दिवाली सेलिब्रेशन मानी जाती है। सड़कें रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाती हैं, भारतीय संगीत गूंजता है, और हजारों स्थानीय ब्रिटिश नागरिक भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। लंदन में रहने वाले बिलासपुर के जयप्रकाश बताते हैं कि यहां के ट्राफलगर स्क्वायर में आयोजित " दिवाली आन द स्केवयर " इवेंट में भारतीय नृत्य, भोजन, योग और आयुर्वेद संस्कृति को प्रदर्शित किया जाता है। आस्ट्रेलिया निवासी तान्या सिंह बताती हैं कि भारतीय मूल के लोग ब्रिटेन के बाद ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिसबेन, पर्थ और कैनबरा जैसे प्रमुख शहरों में इसे व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। विभिन्न भारतीय संगठन, सांस्कृतिक क्लब और स्थानीय परिषदें मिलकर बड़े पैमाने पर मेलों, संगीत, नृत्य और आतिशबाजी का आयोजन करती हैं।

बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु करम करइ बिधि नाना॥
आनन रहित सकल रस भोगी। बिनु बानी बकता बड़ जोगी॥

जो (परमात्मा) बिना पैरों के चलता है, बिना कानों के सुनता है बिना हाथों के नाना प्रकार के कर्म करता है मुख के बिना ही जगत के सारे रसों का आनंद लेता है, और बिना वाणी के सबसे सर्वश्रेष्ठ वक्ता है। हे पार्वती जिनका नाम लेकर मरते हुए प्राणी भी मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं, वह प्रभु रघुश्रेष्ठ और चराचर जगत के स्वामी श्री राम सभी के हृदय की बात जानने वाले हैं।

दीपावली समारोह में भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुति; अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं भोजन और मिठाइयां

मोनरोविया में रामायण का मंचन, गरबा की थाप पर झूमते हैं लाइबेरियाई मेहमान

अफ्रीका के देश लाइबेरिया में दीपावली का उत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और मानवीय संवेदना के मेल से खास बन जाता है। राजधानी मोनरोविया में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जब रामायण के प्रसंगों का मंचन होता है, गरबा की थाप गूंजती है और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की स्वर-लहरियां बिखरती हैं, तो स्थानीय मेहमान भी इस उत्सव के रंग में रंग जाते हैं। यहां दीपावली केवल भारतीय समुदाय तक सीमित नहीं रहती।

घाना और केन्या

लाइबेरिया के स्थानीय नागरिक, सरकारी अधिकारी और राजनयिक भारत के मित्रों के रूप में आमंत्रित किए जाते हैं। वे भारतीय संस्कृति, परंपराओं और खान-पान से रूबरू होते हैं और इस उत्सव का हिस्सा बनते हैं।

खनन और रबर उत्पादन से जुड़े 42 वर्षीय इमैनुएल बताते हैं कि मोनरोविया में भारतीय दूतावास दीपावली के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें रामायण नाटक का मंचन, गरबा नृत्य और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण होती हैं। इन आयोजनों में लाइबेरिया के स्थानीय नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और राजनयिकों को आमंत्रित किया जाता है। भारतीय परंपराओं की झलक, रंग-बिरंगे परिधान, संगीत और खान-पान के बीच स्थानीय मेहमान भी पूरे उत्साह से दीपावली की खुशियों में सहभागी बनते हैं। इस उत्सव का एक मानवीय पक्ष भी है। लाइबेरिया के प्रमुख भारतीय व्यवसायी और संगठन दीपावली के अवसर पर स्थानीय अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों को भोजन तथा मिठाइयां वितरित करते हैं। इस पहल के जरिए त्योहार की खुशियां उन लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है, जिन्हें अक्सर ऐसे उत्सवों की रौनक से दूर रहना पड़ता है। दीपावली की मिठास इस तरह केवल घरों और आयोजनों तक नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन तक पहुंचती है। लाइबेरिया का अपना राष्ट्रीय त्योहार थैंक्सगिविंग डे भी कई बार दीपावली के आसपास पड़ता है। ऐसे अवसरों पर दोनों समुदायों के बीच उत्सव और मेल-मिलाप का माहौल और गहरा हो जाता है। अलग-अलग परंपराओं के बावजूद खुशियां बांटने का भाव दोनों को एक सूत्र में जोड़ता है।



लाइबेरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि त्योहारों की असली रोशनी केवल दीप जलाने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने में भी है। मोनरोविया में रामायण, गरबा और संगीत के सुरों के साथ जब सेवा और सद्भाव का भाव जुड़ता है, तो दीपोत्सव सरहदों से परे मानवीय रिश्तों का उत्सव बन जाता है।

अब कछु नाथ न चाहिअ मोरें। दीन दयाल अनुग्रह तोरें॥
फिरती बार मोहि जो देबा। सो प्रसादु मैं सिर धरि लेबा॥

जब प्रभु श्री राम केवट को उतराई देते हैं तब केवट हाथ जोड़कर प्रभु से कहता है: हे नाथ, आज मैंने क्या नहीं पाया, आपकी कृपा से मेरे सारे दोष, दुख समाप्त हो गये। हे दीनदयाल, अब मुझे कुछ नहीं चाहिए, लौटते समय आप जो कुछ भी देंगे मैं उसे प्रसाद समझ सिर चढ़ा लूंगा।

अमेरिका में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के बीच भारतीय परिवार में मनाते हैं दीपावली

बर्फीली वादियों में दीपों की जगमगाहट, भारतीय संस्कृति के रंगों से रोशन हुआ मिनेसोटा

अमेरिका/मिनेसोटा

भारत में दीपावली का त्योहार रोशनी, खुशियों और उल्लास के साथ मनाया जाता है, लेकिन जब यही त्योहार सात समंदर पार अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में बर्फीली ठंड के बीच मनाया जाता है, तो इसका नजारा और भी खास हो जाता है। नवंबर के महीने में जहां मिनेसोटा में तापमान तेजी से गिरने लगता है और बर्फबारी की संभावना बनी रहती है तब भारतीय समुदाय दीपों की रोशनी और पारंपरिक उत्साह से ठंड के इस माहौल को खुशियों की गर्माहट से भर देता है।

सचिन अग्रहरि ⏭ राजनांदगांव

मिनेसोटा में रह रही मुंबई की लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि यहां भारतीय परिवारों के लिए दीपावली केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी है। भारत से हजारों मील दूर होने के बावजूद यहां दीपावली की तैयारियां किसी भारतीय शहर या कस्बे से कम नहीं होतीं। कई दिन पहले से घरों की साफ-सफाई, रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की मालाओं और पारंपरिक सजावट का सिलसिला शुरू हो जाता है। घरों में आकर्षक पूजा स्थल तैयार किए जाते हैं, जहां विधि-विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है।



साड़ी के ऊपर जैकेट, कुर्ते के साथ विंटर जैकेट

लक्ष्मी कहती हैं कि मिनेसोटा की दीपावली की सबसे दिलचस्प तस्वीर भारतीय पारंपरिक परिधानों और वहां के मौसम के मेल में दिखाई देती है। महिलाएं साड़ी और पारंपरिक परिधानों में सजती हैं, तो पुरुष कुर्ता-पायजामा पहनकर उत्सव में शामिल होते हैं। लेकिन घर से बाहर निकलते ही कड़ाके की ठंड से बचने के लिए इन परिधानों के ऊपर गर्म जैकेट पहनना भी जरूरी हो जाता है। साड़ी के ऊपर विंटर जैकेट और कुर्ता-पायजामा के साथ गर्म कपड़ों का यह मेल भारतीय परंपरा और अमेरिकी मौसम की अनूठी तस्वीर पेश करता है।

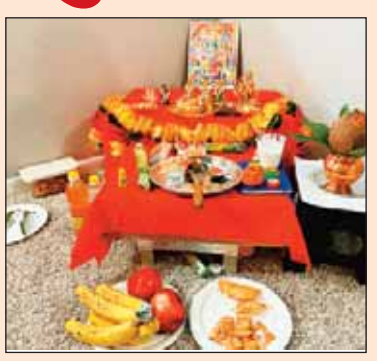



सामूहिक दीपावली पूजा

पिछले दो वर्षों में भी भारतीय परिवारों ने यहां सामूहिक रूप से भव्य दीपावली पूजा का आयोजन किया। पूजा के बाद भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। एक ओर बाहर ठंडी हवाएं और बर्फीला मौसम रहता है, तो दूसरी ओर घरों के भीतर दीपों की रोशनी, भजनों की गूंज और परिवारों का मिलन भारतीय त्योहारों की आत्मीयता का अहसास कराता है।

आतिशबाजी से रोशन होता आसमान

लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि दीपावली की खुशियां केवल घरों तक सीमित नहीं रहतीं। निर्धारित स्थानों पर आतिशबाजी का आनंद लेने के साथ भारतीय परिवार स्थानीय स्तर पर आयोजित आधिकारिक फायरवर्क्स शो में भी शामिल होते हैं। रात के अंधेरे में आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस नजारे का आनंद लेता है। भारतीय दीपावली की परंपरा और अमेरिका की आयोजन संस्कृति का यह मेल उत्सव को अलग पहचान देता है।

रोशनी, रंगोली, मिठाइयों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है दीपावली का पर्व

ऑस्ट्रेलिया में दिवाली की धूम, सात समंदर पार भी जगमगाती भारतीय संस्कृति

ऑस्ट्रेलिया

भारत के कोने-कोने में दीपावली पर्व की खुशियां मनाई ही जाती है। बात यदि सात समुंदर पार 7809 किमी दूर ऑस्ट्रेलिया की करें तो वहां भी दिवाली का त्यौहार पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। रोशनी का यह पर्व न केवल भारतीय समुदाय को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखता है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की बहुसांस्कृतिक पहचान को भी एक नई चमक प्रदान करता है। दिवाली के अवसर पर यहां रहने वाले भारतीय परिवार अपने घरों को रंग-बिरंगी झालरों, दीयों, फूलों और सुंदर रंगोलियों से सजाते हैं।

उत्कर्ष शर्मा ⏭ राजिम

पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर परिवार के सदस्य भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। घरों में मिठाइयां और स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन बनाए जाते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर खुशियां बांटने की परंपरा यहां भी उसी आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। राजिम की योषिता शर्मा की ननंद ऋचा शर्मा 12 वर्षों से सिडनी में हैं। हरिभूमि से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यहां के ओपेरा हाउस में दीपावली का पर्व मनाते हैं। हालांकि भारत जैसे यहां दीपावली में बाजार नहीं सजता, मिटटी का दीया नहीं मिलता लेकिन जितने भी भारतीय वहां निवास करते हैं, वे



दीप जलाकर मां लक्ष्मी की धूमधाम से विधिविधान से पूजा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख शहर सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडिलेड में दिवाली के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले का आयोजन किया जाता है। विशेष रूप से सिडनी के परारामट्टा और आसपास के क्षेत्रों में दिवाली उत्सव की अलग ही रौनक देखने को मिलती है।





नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर

विदेश में रहने वाले भारतीय परिवारों के लिए दिवाली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और पले-बढ़े भारतीय मूल के बच्चे दिवाली के माध्यम से भारतीय परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं।कई परिवार बच्चों के साथ मिलकर रंगोली बनाते हैं, घर सजाते हैं और उन्हें भगवान राम के अयोध्या लौटने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय से जुड़ी कथाएं सुनाते हैं।



परंपराएं वही, बस देश बदल गया: भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया में दिवाली पर हर जगह सार्वजनिक अवकाश नहीं होता। इसलिए कई परिवार अपने कामकाज और बच्चों की पढ़ाई के बीच समय निकालकर शाम को पूजा और पारिवारिक समारोह आयोजित करते हैं। सप्ताहांत पर सामूहिक दिवाली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भले ही भारत जैसी गलियों की चहल-पहल और हर ओर पटाखों की गूंज यहां देखने को न मिले, लेकिन दिवाली की खुशियाँ और अपनापन बिल्कुल वैसा ही महसूस होता है। दिवाली का वास्तविक संदेश अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय है। ऑस्ट्रेलिया में मनाया जाने वाला यह पर्व इस बात का सुंदर उदाहरण है कि भौगोलिक दूरियाँ चाहे कितनी भी हों, संस्कृति, परंपराएँ और त्योहार लोगों को अपनी जड़ों से हमेशा जोड़े रखते हैं।

बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई॥
सठ सुधरहिं सत्संगति पाई। पारस परस कुघात सुहाई॥

सत्संग के बिना विवेक नहीं होता और राम जी की कृपा के बिना वह सत्संग नहीं मिलता, सत्संगति आनंद और कल्याण की जड़ है। दुष्ट भी सत्संगति पाकर सुधर जाते हैं जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सुंदर सोना बन जाता है।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा रहीं सोनम साहू की कहानी

दुबई की ज़मीं पर राम की धरा सा एहसास सात समंदर पार भी धड़कता है भारतीय दिल



धन्यकुमार जैन ⏭ राजनांदगांव

संस्कृति, कला और परंपराओं के बिल्कुल अलग होने के बावजूद जब दिल अपनी जड़ों से जुड़ा हो, तो सात समंदर पार भी पराएपन का एहसास नहीं होता। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में जब दीवाली की जगमगाहट बिखरती है तो ऐसा लगता है मानो राम की पवित्र धरा का उजाला सीधा अरब के मरुस्थल तक पहुंच गया हो।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर से प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाली सोनम साहू की कहानी कुछ ऐसी ही है। शिक्षक ढाल सिंह साहू की बेटी सोनम का विवाह 2016 में रायपुर निवासी दिलीप साहू के साथ हुआ, जो दुबई में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। शादी के बाद से ही सोनम दुबई के अल नाहदा इलाके में रह रही हैं। अल नाहदा एक ऐसा इलाका है जहां विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और देशों के नागरिक रहते हैं। सोनम बताती हैं कि भले ही भाषा और संस्कृति अलग है, लेकिन वहां रहते हुए कभी यह महसूस ही नहीं हुआ कि वह जन्मभूमि से दूर है।

बाजार में भारत सी रौनक

दुबई के सुपर मार्केट्स और मॉल में त्योहारों के दौरान ठीक वही पूजा सामग्री, दीपक, सजावटी सामान और मिठाइयां मिलती हैं जो भारत के बाजारों में उपलब्ध होती हैं। सोनम का कहना है कि दीवाली पूजा के लिए फल, फूल, आम के पत्ते से लेकर मिट्टी के दीये तक आसानी से मिल जाते हैं। वह बताती है कि भारत की तुलना में वहां चीजें थोड़ी महंगी जरूर होती हैं, लेकिन उनकी क्वालिटी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बर दुबई की सामूहिक दीवाली

हाल ही में मायके आईं सोनम साहू ने दुबई की दीवाली का अनुभव साझा करते हुए बताया कि बर दुबई में दिवाली पर बड़ा सामूहिक आयोजन होता है। इस आयोजन में अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोग एक जगह एकत्रित होते हैं। वहां न कोई ऊँच-नीच का भेद होता है और न ही किसी प्रकार की परायेपन की भावना। माहौल इतना आत्मीय होता है कि लगता ही नहीं कि लोग विदेश में हैं और ऐसा लगता है कि अपने ही घर-आँगन में अपनों के बीच त्यौहार मना रहे हैं।

जड़ों से जुड़ने की मिसाल

मटिया की गलियों से निकलकर दुबई जैसे आधुनिक वैश्विक शहर में बसी सोनम साहू की यह कहानी साबित करती है कि इंसान चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, भारत के संस्कार, परंपरा और त्योहारों की मिठास हमेशा उसके साथ रहती है। दुबई का बहु सांस्कृतिक माहौल और भारतीय समुदाय की एकजुटता मिलकर सात समंदर पार भी घर जैसा एहसास कायम रखती है।



हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहि बहुबिधि सब संता॥
रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए॥

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश

अमेरिका के शार्लेट में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की धूम दीपावली मिलन समारोह में झूमे प्रवासी परिवार

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना के सबसे बड़े शहर शार्लेट में रह रहे धमतरी के प्रवासी छत्तीसगढ़ियों ने अपनी माटी की खुशबू और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखते हुए दीपावली मिलन समारोह - 2026 धूमधाम से मनाया। उत्तर अमेरिका छत्तीसगढ़ संघ (नाचा) के नॉर्थ कैरोलाइना अध्याय द्वारा आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत, रंगारंग नृत्य और पारिवारिक आत्मीयता की मनमोहक छटा देखने को मिली। हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद प्रवासी परिवारों का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम आयोजन में स्पष्ट दिखाई दिया।

यशवंत साहू ⏭ धमतरी

समारोह की शुरुआत धमतरी निवासी आशुतोष सोनी ने अनुज शर्मा द्वारा गाए गए गीत की आकर्षक प्रस्तुति से की। इसके बाद बच्चों ने विभिन्न गीतों पर नृत्य कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। लावण्या सोनी ने 'जय जोहार' गीत पर विशेष प्रस्तुति दी। बच्चों ने 'मल्हारी', 'ओ जाने जान', 'झूम ले संगवारी', 'हैप्पी दिवाली सुनो घरवाली' और 'मैं तो गया रे' जैसे गीतों पर नृत्य किया। श्रीवल्ली शर्मा, लावण्या सोनी, आर्यन यादव, आन्वी शर्मा, आन्या शर्मा, अनाइशा सिंघल, निविशा दुबे, आकाश सोनी, विष्णु शर्मा, चंद्रिका यादव, अंकुर पांडेय, शिखा शर्मा, एंजेल यादव, सुश्री कुमार, अलका सोनी एवं संगीता बिजौरा सहित 16 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बनाया।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश



लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों ने बांधा समां

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी, कंचन जोशी और रैपर अंकित के गीत समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। 'झूम ले संगवारी' और 'मान झूम-झूम के खिल गया' जैसे गीतों पर बच्चे और अन्य प्रतिभागी उत्साह से झूमते नजर आए। कार्यक्रम की यादगार झलकियां सामाजिक माध्यमों पर भी साझा की गईं।

पदाधिकारियों और सदस्यों की रही सहभागिता

समूह तस्वीर में आशुतोष सोनी, योगेश साहू, निलेश कुमार, मंजुल बिजौरा, मनीष सिंघल, कमलेश सूर्यवंशी, गोविंद कटाकवार, गौरव चौड़ा, देवेंद्र यादव, अमित थवाइत, युवराज शर्मा, अभिनव पांडेय, आलोक शर्मा, विवेक दुबे (अध्यक्ष, नाचा-शार्लेट) तथा गणेश कर (अध्यक्ष, नाचा राष्ट्रीय संचालन मंडल) शामिल रहे। समारोह ने यह संदेश दिया कि भौगोलिक दूरियां अपनी मातृभूमि, भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम को कम नहीं कर सकतीं। प्रवासी छत्तीसगढ़ियों ने एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संकल्प भी प्रदर्शित किया।



कलेक्टर दिव्या की अनुकरणीय पहल, सोलर दीदियों के जरिए बदल रहीं गांव की तस्वीर

क्या कहती हैं कलेक्टर : कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन ने सोलर दीदियों को प्रशिक्षण प्रदान कराया है। नारागांव में रूफ टाप सिस्टम के लिए कोई शासकीय अनुदान, सीएसआर या अन्य फंड का उपयोग नहीं किया गया है। इस पहल से सोलर दीदियों की आय बढ़ी है एवं इससे लखपति दीदियों की संख्या भी बढ़ेगी।

नारागांव की तस्वीर व तकदीर जिला प्रशासन की एक पहल ने बदलनी प्रारंभ कर दी

नारागांव का नारा...घर-घर सोलर, बिना सरकारी अनुदान व खर्च सोलर से जगमगाया गांव



ओम दुवानी ▶▶| बालोद

विकासखण्ड गुरूर के आदिवासी बहुल ग्राम नारागांव की तस्वीर व तकदीर जिला प्रशासन की एक पहल ने बदलनी प्रारंभ कर दी है। यहां के ग्रामीण सूरज की रोशनी से बिजली बना रहे हैं और अतिरिक्त बिजली विभाग को बेचेंगे भी। इससे ग्रामीणों का बिजली बिल शून्यता की ओर बढ़ेगा, साथ ही अतिरिक्त बिजली आर्थिक मजबूती का माध्यम भी बनेगी।

अलग खबर

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा की दूरगामी सोच के साथ की गई पहल से नारागांव के ग्रामीणों के घर बिजली घर बनने लगे हैं। इसके लिए ग्रामीणों को घर से एक रुपए भी खर्च नहीं करना पड़ा है। जिला प्रशासन ने भरदा क्लस्टर के सक्रिय स्वसहायता समूहों के माध्यम से 10 सोलर दीदियों को प्रशिक्षण दिया। इनमें 4 दीदीयों का वेन्डर के रूप में पंजीयन किया गया। अब वे गांव के घर - घर सोलर पैनल लगाने का कार्य कर रही हैं। समूह की चार महिलाएं टाकेश्वरी ओटी, लिलेश्वरी साहू, लीना यादव एवं सुमन साहू घर घर जाकर ग्रामीणों से चर्चा करती हैं और उन्हें सोलर पैनल लगाने प्रेरित कर पंजीयन करवाती हैं। ग्राम में अब तक 100 से अधिक रूफ टॉप सिस्टम लगकर सक्रिय हो गए हैं। वहीं 50 से अधिक सिस्टम पूर्णता की ओर हैं। इस कार्य में न ग्रामीणों को कुछ खर्च करना पड़ा न शासन से कोई अनुदान मिला है।

शून्य लागत इस तरह

क्लस्टर के समूहों ने स्वतः जमा राशि में से 29 लाख रुपए इस कार्य में अपनी अंश पूंजी लगाई, बैंक से कोई ऋण नहीं लिया। ग्रामीणों के घरों में 2 किलोवाट का पैनल लगाया गया है। इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा 60 हजार रुपए एवं राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए की सब्सीडी दी जाती है। कार्य होने के बाद हितग्राही को प्राप्त सब्सिडी की राशि हितग्राही वेंडर को प्रदान करता है, क्योंकि वेंडर ने ही रूफ टॉप सिस्टम की प्रारंभिक पूंजी कार्य के लिए लगाई थी। जिला प्रशासन ने ऐसी व्यवस्था की कि हितग्राही को शून्य खर्च में स्वतः की बिजली मिलने लगी एवं वेंडर को इसके लिए प्रति सिस्टम 3 से 4 हजार रुपए तक की बचत होने लगी। सोलर दीदियां अब तक लगभग 3 लाख की आय प्राप्त कर चुकी है। जिला प्रशासन की इस पहल ने एक नई राह दिखाई है। एक ओर जहां शून्य लागत से पूरे गांव को सोलर ग्राम में बदला जा रहा है। वहीं ग्राम की महिलाएं परंपरागत कार्यों को छोड़ बड़े कार्यों में सक्रिय हो रही हैं। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है और महिला सशक्तीकरण का एक मजबूत संदेश भी दिया जा रहा है। यह कार्य आदिवासी बाहुल्य ग्राम नारागांव के ग्रामीणों को सस्ती बिजली मिलने के साथ अतिरिक्त बिजली आय का माध्यम बनकर ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करने लगी है।

अब किसी भी उम्र में कर सकेंगे एलएलबी कोर्स, आयु सीमा हटाई गई

सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने तीन वर्षीय और पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा समाप्त कर दी है। इस फैसले के बाद अब किसी भी उम्र के उम्मीदवार कानून की पढ़ाई के लिए प्रवेश ले सकेंगे। बीसीआई के निर्णय की जानकारी मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आयु सीमा को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा कर दिया।



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बताया गया कि बीसीआई की जनरल काउंसिल ने कानून के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु संबंधी प्रतिबंध वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया है। बीसीआई की ओर से पेश अधिवक्ता राधिका गौतम ने कोर्ट को इस निर्णय की जानकारी दी। इसके बाद पीठ ने कहा कि आयु सीमा हटाए जाने के कारण याचिका अब निष्प्रभावी हो गई है और उसका निपटारा कर दिया।

बीसीआई के नियम को दी गई थी चुनौती

यह मामला ऋषभ दुग्गल की ओर से दायर याचिका से जुड़ा था। उन्होंने बीसीआई के वर्ष 2016 के उस सर्कुलर को चुनौती दी थी, जिसके जरिए विधि शिक्षा नियम, 2008 की अनुसूची III के क्लॉज 28 को दोबारा लागू किया गया था। इस प्रावधान के तहत पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 20 वर्ष निर्धारित थी। वहीं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों के लिए यह सीमा 22 वर्ष थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई से मांगा था स्पष्टीकरण

इससे पहले 25 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई से स्पष्ट करने को कहा था कि क्या वह पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा वापस लेने को तैयार है। इसके बाद बीसीआई ने अपनी जनरल काउंसिल के प्रस्ताव की जानकारी कोर्ट को दी और पुष्टि की कि प्रवेश के लिए अधिकतम आयु संबंधी प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए हैं।

कोर्ट ने याचिका का किया निपटारा

इस फैसले को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने माना कि याचिका पर आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं रह गई है और उसे निष्प्रभावी मानते हुए निपटा दिया। बीसीआई के इस निर्णय के बाद तीन वर्षीय और पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु की बाध्यता समाप्त हो गई है।

ईरान ने भेजा नया युद्धविराम प्रस्ताव ट्रंप बोले- नए हमले के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶| तेहरान

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद ईरान युद्ध को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। इस बीच ट्रंप ने ईरान को नई धमकी दी है। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान में संभावित अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, और अमेरिकी सेना पहले की तुलना में कहीं अधिक हथियार बना रही हैं। इस बीच, ईरान का एक नया युद्धविराम प्रस्ताव भी सामने आया है।



ईरान ने कतर के जरिए नया प्रस्ताव भेजा : रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका को कतर के माध्यम से परमाणु प्रस्ताव भेजा है। इस पर अमेरिका द्वारा ईरान की 7 मांगों को पूरा करने के बाद ही चर्चा की जाएगी।

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने मनाई दिवाली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर साल की तरह इस साल भी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह आयोजित किया। इसमें भारतीयों के साथ उन्होंने खुद शामिल होकर त्यौहार मनाया। यह आयोजन दिवाली के सांस्कृतिक महत्व को पहचानता है और अमेरिका में इस समुदाय की विरासत का सम्मान करता है। पिछले साल भी ट्रंप ने भारत के राजदूत के साथ मिलकर दीया जलाया था।

क्या हैं ईरान की 7 शर्तें?

ईरान की शर्तों की आधिकारिक सूची अभी तक सामने नहीं आई है। हालांकि, खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान की मांगों में लेबनान सहित सभी क्षेत्रों में युद्ध का अंत, ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को हटाना, ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना, ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करना, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को कम करना, युद्ध से हुए नुकसाना का मुआवजा देना और ईरान पर अमेरिकी हमलों को खत्म करना शामिल है।

फारूक अब्दुल्ला बोले- पार्टी नहीं टूटेगी, 25 नाराज विधायकों से मिले

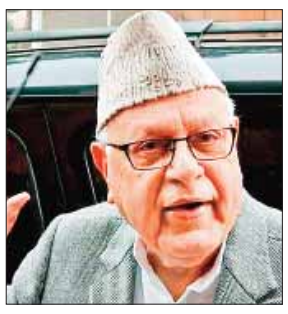

इस कारण से नाराज हैं विधायक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह विवाद मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद शुरू हुआ था, जिसमें कुछ वरिष्ठ विधायकों को जगह नहीं मिली। इससे वे नाराज हैं। इन विधायकों ने कई गुप्त बैठकें भी की हैं। विधायकों की प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना या पद से हटाना और सरकार के लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है।

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी और बगावत की अटकलों के बीच फारूक अब्दुल्ला ने एकजुटता का संदेश दिया है। उन्होंने श्रीनगर में पार्टी के 25 नाराज विधायकों के साथ बैठक के बाद कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस पूरी तरह संगठित और एकजुट है और पार्टी में फूट की खबरों को बेबुनियाद बताया। नाराज विधायकों को आश्वासन देते हुए उन्होंने ये भी कहा कि उनकी चिंताएं जायज हैं, जिन पर विस्तार से चर्चा हुई है।

शिकायतों का समाधान होगा : फारूक : फारूक ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी। मैंने विधायकों की शिकायतें सुनी हैं, हम उन पर काम करेंगे। कुछ का समाधान तुरंत होगा, तो कुछ का धीरे-धीरे होगा। बेबुनियाद अफवाह फैलाई जा रही है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस गुटों में बंट गई है, यह सरासर गलत है। पार्टी पूरी तरह संगठित और एकजुट है।

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई. निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में बरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है।

क.स.1 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–213–2026 दिनांक 02/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : वरिष्ठ मंडल अभियंता (पश्चिम) जबलपुर के अंतर्गत विभिन्न ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के संबंध में सिंगल शॉट क्रूसिबल का उपयोग करके 60 किलोग्राम/90 यूटीएस/आर 260 रेल की इन–सीटू वेल्डिंग।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 1,25,96,809/–, बयाना राशि रुपये : 251900.00, समापन अवधि : 12 माह

क.स.2 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–214–2026 दिनांक 04/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : जबलपुर – जबलपुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर बॉलास्टलेस ट्रैक (BLT-IFS सिस्टम) की व्यवस्था, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 4,70,18,932/–, बयाना राशि रुपये : 940400.00, समापन अवधि : 12 माह

क.स.3 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–215–2026 दिनांक 04/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : कटनी कटनी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (BLT-IFS सिस्टम) की व्यवस्था (काम का हिस्सा – कटनी स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 2 और 3 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (BLT-IFS सिस्टम) की व्यवस्था)।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 4,92,80,854/–, बयाना राशि रुपये : 985600.00, समापन अवधि : 12 माह

क.स.4 निविदा सूचना क्रमांक : डी. आर. एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–216–2026 दिनांक 04/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : मंडल अभियंता (मध्य) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में मोबाइल फ्लैश वेल्डिंग – 2500 जोड़ और TWR 15.06 किमी का कार्य।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 3,35,06,684/–, बयाना राशि रुपये : 670100.00, समापन अवधि : 12 माह

क.स.5 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–217–2026 दिनांक 04/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : बीना–कटनी:– किमी 1236/42–46 पर स्थित पुल संख्या 1236/1 के कटनी ROR (रेल ओवर ब्रिज) पर 'टो वॉल' का निर्माण।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 3,28,50,630/–, बयाना राशि रुपये : 657000.00, समापन अवधि : 12 माह

क.स.6 निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–218–2026 दिनांक 04/11/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में इटारसी–जबलपुर खंड पर ट्रैक मेजरमेंट ट्रॉली सिस्टम द्वारा टैम्पिंग से पूर्व और पश्चात मापन।, कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये : 29,54,776/–, बयाना राशि रुपये : 59100.00, समापन अवधि : 12 माह

उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

सभी निविदाओं की निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे : 27/11/2026
सभी निविदाओं की निविदा खुलने की अंतिम तिथि एवं समय 15.15 बजे : 27/11/2026

(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मण्डला जिला मण्डला

क्रमांक/अ.वि.अ./प्रवा.–2/2026/1441 **जप्तशुदा वाहन की खुली नीलामी हेतु विज्ञप्ति** मण्डला,दिनांक 14/10/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसील कार्यालय मण्डला अंतर्गत थाना प्रभारी महाराजपुर जिला मण्डला द्वारा अपराध क्रमांक 375 / 2018 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत वाहन एवं तीन मोबाईल अधिहरणीय है, उक्त वाहन एवं तीन मोबाईलकी विक्रय हेतु खुली नीलामी का आयोजन किया गया है। इच्छुकव्यक्ति थाना महाराजपुर परिधर में 18.11.2026 को दोपहर 12.00 बजे बोली हेतु उपस्थित हो सकते है ।

क्रं.	वाहन का विवारण	वाहन का प्रकार	ऑफसेट कीमत	अमानत राशि	अन्य
1	CG-07-MB-4051	इंडिका कार (सफेद रंग)	24,500.00	2450.00	-

क्रं.	मोबाईल का विवारण	मोबाईल का प्रकार	ऑफसेट कीमत	अमानत राशि	अन्य
1	सेमसंग मोबाईल	J– 8 (काला रंग) एक सिम	1200	120	-
2	सेमसंग मोबाईल	J– 6(नीला रंग) दो सिम	1000	120	-
3	सेमसंग मोबाईल डॅयूओस	B– 11 (काला रंग) एक सिम	200	20	-

1. नीलामी बोली लगाने के पूर्व जप्तशुदा वाहन एवं तीन मोबाईल हेतु अमानत राशि आवश्यक रूप से दिनांक 16.11.2026 दोपहर 12.00 बजे तक सक्षम अधिकारी (थाना प्रभारी महाराजपुर) को प्रस्तुत करने के उपरांत ही बोली की पात्रता होगी। 2. बोली की अमानत राशि नीलामी की समाप्ति पर असफल बोलीदारों को लौटा दी जावेगी। सफल बोली लगाने वाले को भी अमानत राशि उनके द्वारा स्वीकार की गयी बोली की पूरी रकम जमा करने का हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण करने पश्चात ही लौटाई जायेगी। 3. अधिकतम बोली के दूसरे नंबर पर के बोलीदार की अमानत राशि जप्तशुदा वाहन एवं तीन मोबाईलके विक्रय के उपरांत लौटाई जायेगी। 4. जिस व्यक्ति की अधिकतम बोली स्वीकार होगी, उसे एक मुश्त राशि तीन दिवस के अंदर जमा करना अनिवार्य होगा। 5. जप्तशुदा वाहन एवं तीन मोबाईल का निरीक्षण कार्यालयीन समय में थाना परिधर महाराजपुर में बोली लगाने के एक दिन पूर्व तक किया जा सकता है। 6. जप्तशुदा वाहन एवं तीन मोबाईलअंतिम निराकरण के पश्चात पक्षकार स्वयं वाहन एवं तीन मोबाईल को प्राप्त करेगा तथा वाहन एवं तीन मोबाईल व्यय स्वयं करेगा शासन द्वारा कोई व्यय नहीं किया जावेगा। 7. किसी भी बोली के स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का निर्णय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मण्डला जिला मण्डला का होगा जो सर्वमान्य होगा जिसे किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। 8. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मण्डला द्वारा अधिकतम बोली की राशि का अनुमोदन होने के उपरांत ही संबंधित व्यक्ति को वाहन एवं तीन मोबाईल हस्तांतरित किया जावेगा। 9. अपसेट प्राईज से कम बोली स्वीकार नहीं की जावेगी।

अनुविभागीय अधिकारी
राजस्व मण्डला (म.प्र.)

G-21064/26 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

शुक्ला ग्राउंड के पास वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001 दूरभाष एवं फैक्स नंबर:- 07162-222346
ई-मेलः- commchhindwara@mpurban.gov.in Commissioner.chhindwara.mpurban@gmail.com
बेबसाईटः- Chhindwaranagarnigam.com

क्रमांक/4788/लोनिवि/नपानि/2026-27 - **द्वितीय निविदा सूचना** - छिन्दवाड़ा दिनांक 5/11/26

एतद् द्वारा शासकीय विभागों के उपयुक्त तथा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_535135_2 Dated 07/11/2026	वार्ड क्रमांक 22 में शंकर वंशकार के घर के पास रोड निर्माण कार्य	1. 726959 2. 3 माह	1. 2000 2. 7270	23/11/2026

नोट– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा

शब्द पहेली - 6402

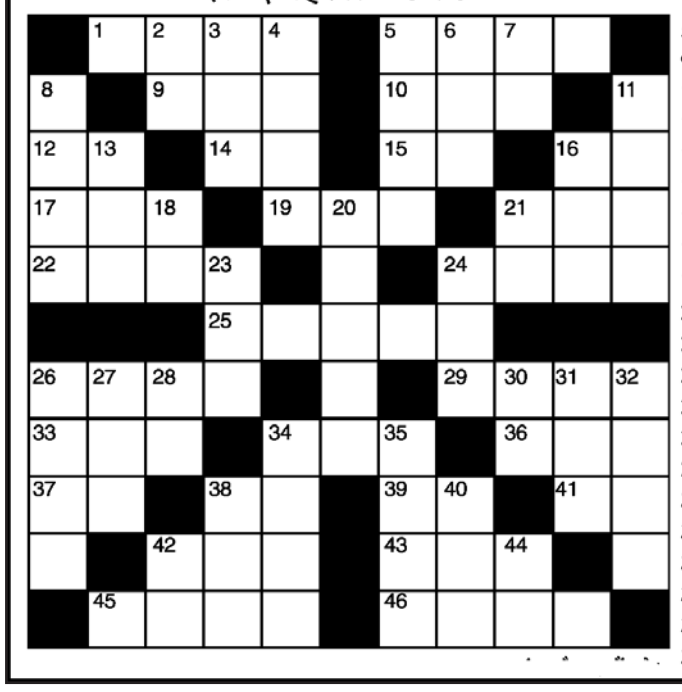

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका–4
5.रपटना –4
9.डोली उठानेवाले–3
10.पुत्र,लड़का–3
12.अधिकार–2
14.नवीन,नया–2
15.एक विदेशी शराब–2
16.कला,हुनर–2
17.मां का प्यार–3
19.दम,बल,जोर–3
21.पपीहा,पपीहरा–3
22.करामात,कारनामा–4
24.शमशीर,कृपाण–4
25.तरंगित,लहरीय–5
26.बोरिया–बिस्तर–4
29.साले की पत्नी–4
33.प्रयास,यत्न–3
34.सहायता,सहयोग–3
36.लीन,तल्लीन–3
37.गहन वन,बुनाई कर्म–2
38.टुकड़ा,कण–2
39.मैं का बहुवचन–2
41.भीगा हुआ–2
42.अंधकार,अंधेरा–3
43.द्रव मापने की इकाई–3
45.प्राचीर,स्तंभ–4
46.बादला,जरबाफ–4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार–2
3.जगत,दुनिया–3
4. सुनसान शांति,–4
5.आदत–4
6.साजन, बालम–3
7.क्रमबद्धता–2
8.मूर्ख,बेवकूफ–4
11.बुनाई करने वाला–4
13.कटि,मध्यांग–3
16.धार्मिक आज्ञा–3
18.पितामह–2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण –5
21.चलने का ढ़ंग–2
23.पिया,साजन–3
24.दया,रहम–3
26.बेमिसाल, अनूठा–4
27.स्वदेश,मातृभूमि–3
28.जनता,आम लोग –2
30.मैं का बहुवचन–2
31.अभिरुचि,तल्लीनता–3
32.जनता की राय–4
34.उपाधि,पदवी–4
35.देहरी,चौखट–4
38.कक्ष,रूम–3
40.बटाणा,काबुली–3
42.स्तर,परत–2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान–2

शब्द पहेली- 6401 का हल

	म	ल	म	ल			र	ह	न
चा	य		हा		जा	सू	स		शा	म
टु			रा	श	न		म			न
का	र	गु	जा	री		का		दु	का	न
र		ना		फ	न	का	र		फि	
	चा	ह							भ	ला
	ह		अ	च	क	न		वं		अ
क	त	रा		भ		क	म	र	बं	द
म			ब		ला	ल	च			र
र	न		ल	की	र		ल		आ	क
	म	ज	मा			अ	ना	था	स	

सूडोकु नवताल - 6412

कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6411 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार
8 नवंबर 2026
दीपोत्सव विशेष
P-12



मन में भी जलाएं एक दीपक

दीपों से घर-आंगन रोशन करने के पर्व दीपोत्सव पर हम सब अपने आस-पास कहीं भी अंधेरा नहीं रहने देते। लेकिन दीपावली का पर्व केवल बाहर ही नहीं अपने अंतस को भी उजियारे से भरने की प्रेरणा देता है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों, पौराणिक संदेशों और धार्मिक कथाओं में भी आत्म चेतना का दीप प्रज्ज्वलित करने की बात कही गई है। तो आइए आज दीपों के महापर्व में हम सब अपने मन में भी एक दीपक प्रज्ज्वलित करने का संकल्प करें।

आवरण कथा / श्वेता ठाकुर

दीपावली आते ही घर-आंगन बुहारे जाने लगते हैं। दीवारों पर नया रंग-रोगन किया जाता है। देहरी पर रंगोली सजती है और सांझ ढलते ही मिट्टी के नन्हे-नन्हे दीये टिमटिमाने लगते हैं। अमावस की रात चारों ओर उजियारा जगमगाने लगता है। लेकिन इन जगमगाहटों के बीच एक सवाल भी चुपचाप खड़ा रहता है, बाहर तो हर ओर इतना उजाला कर लिया, पर क्या अपने भीतर का हर कोना भी रोशन हुआ? मन के अंतः कोनों में छिपी बैठी मलिनता भी दूर हो पाई?

महात्मा बुद्ध का उपदेशः स्वयं के भीतर प्रकाश फैलाने के संदर्भ में महात्मा बुद्ध का संदेश बहुत मूल्यवान है। महापरिनिर्वाण के समय शोकाकुल आनंद को महात्मा बुद्ध ने जो सीख दी, उसे हम 'आत्म दीप भव' के रूप में याद करते हैं। पालि परंपरा में यह 'अत्तदीपा विहरथ' है। यानी, अपने ही दीपक बनो और अपनी ही शरण में रहो। इसका अर्थ यह नहीं कि गुरु, ग्रंथ या समाज निरर्थक हैं। अर्थ यह है कि कोई भी उजाला, उधार का हो तो बुझ जाता है। रास्ता दिखाने वाले मिल सकते हैं, पर चलना अपने ही पैरों से होता है और लौ अपने ही भीतर जलानी पड़ती है।

उपनिषद की प्रार्थनाः आत्मालोकित करने का भाव भारतीय चिंतन में बहुत प्राचीन काल से प्रवाहित होता आया है। बृहदारण्यक उपनिषद् की प्रसिद्ध प्रार्थना है-

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतंगमय॥

अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की यह प्रार्थना, बाहरी अंधेरे के लिए कम और भीतरी अंधकार के लिए अधिक है। वह अंधकार अज्ञान का है, भ्रम का है और उस अहंकार का भी, जो हमें अपने ही सच से दूर रखता है।

गीता का स्वरः गीता आत्मालोकित करने के भाव को और स्पष्ट करती है। भगवान कृष्ण कहते हैं कि अपने भीतर बैठकर वे 'ज्ञानदीप' से अज्ञान से उपजा अंधकार मिटाते हैं (नाशयाम्यात्मभावस्थो ज्ञानदीपेन भास्वता, गीता 10-11)। यानी, दीया कहीं बाहर से नहीं आता, भीतर ही जलता है, बस उसे जलाने की इच्छा चाहिए। गीता के ही छठें अध्याय का सूत्र भी उतना ही सटीक है-

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

अर्थात, अपना उद्धार स्वयं करो, स्वयं को गिरने मत दो, क्योंकि मनुष्य अपना सबसे बड़ा मित्र भी है और सबसे बड़ा शत्रु भी। बुद्ध के 'अत्त दीपो भव' से इसका स्वर और निहितार्थ पूरी तरह मिलता है।



पौराणिक परंपरा और दीपदानः पौराणिक परंपरा में कार्तिक मास को दीपदान का महीना माना गया है। नदी-तट पर, तुलसी के नीचे, मंदिर की देहरी पर जलता एक छोटा दीया, पुण्य का प्रतीक माना जाता है। दीप-स्तुति का यह श्लोक प्रसिद्ध है-

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते॥



इस श्लोक में दीपक से धन-संपदा के साथ 'शत्रुबुद्धि के विनाश' की भी कामना की गई है। यह शत्रुबुद्धि कोई बाहरी दुश्मन नहीं, हमारे भीतर पलती ईर्ष्या, क्रोध और कटुता के भाव ही हैं। पौराणिक लोक-कथाओं के अनुसार चौदह वर्ष के वनवास और आततायी रावण का वध करने के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का पर्व मनाते हैं। कुछ पौराणिक मान्यताएं दीपावली को नरकासुर के अंत के उत्सव के रूप में भी मनाने की बात कहता है। हर कथा का संदेश एक ही है कि अंत में अंधकार हारता है, पर तब, जब कोई दीप जलाने का साहस करे।

जीवन से दूर रहे अंधेराः आधुनिक जीवन में अंधेरे का रूप बदल गया है। आज की रातें रोशनी की झालरों से जगमगाती हैं, पर मन की कोठरी में अकसर सन्नाटा रहता है। हम सैकड़ों लोगों से जुड़े तो दिखते हैं, फिर भी अकसर हम अकेले ही रह जाते हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी दिन-रात जलती है, पर उसमें हमें अपना चेहरा नहीं दिखता। तुलना की होड़, कुछ पा लेने की बेचैनी, असंतोष, थकान और रिश्तों में बढ़ती दूरी भी अंधेरा ही हैं। इस अंधेरे में बिजली के बल्ब काम नहीं आते, यहां वही लौ चाहिए, जिसकी बात महात्मा बुद्ध ने की थी, जिसके बारे में पुराणों में बताया गया है।

ऐसे होगा अंतस में उजालाः आधुनिकता की चकाचौंध में बाहर ही नहीं अपने भीतर भी अंधियारा न बढ़े, इसके लिए हमें ही सजग रहना होगा। दीपावली, आत्मचिंतन को प्रेरित करती है कि केवल बाहरी दुनिया में ही नहीं अपने अंतस में भी उजाला फैले, इसके लिए प्रयास करें। दिन में कुछ पल मौन बैठकर अपनी सांस सुनने से, किसी के प्रति वर्षों पुरानी जमी मन की कड़वाहट धोकर क्षमा मांग लेने या क्षमा कर देने से, फोन को परे रखकर अपने घर के या आस-पड़ोस के बुजुर्गों के पास आत्मीयता से बैठ जाने से, भीतर खुशी का उजाला फैलेगा। ऐसे छोटे-छोटे दिखने वाले प्रयास ही भीतर के दीये में तेल डालते हैं, आत्म की आभा को प्रखर करते हैं।

दीये से प्रज्ज्वलित हो दीयाः यह शाश्वत सत्य है कि भीतर का उजाला, निजी होकर भी निजी नहीं रहता। जिसके भीतर आत्मबोध का दीप जल जाता है, उसकी वाणी में मिठास आ ही जाती है, व्यवहार में धैर्य और दृष्टि में करुणा स्वतः उत्पन्न हो जाती है। उसके सान्निध्य में रहने वाले को भी उस ज्योति की आभा, उसकी गर्माहट मिलती है। इस तरह एक दीये से दूसरा दीया जलता जाता है। एक दीये से दूसरा दीया जलाने पर भी पहले की लौ घटती नहीं, उजाला बढ़ता ही है। इसीलिए 'आत्म दीप' का अर्थ स्वयं में सिमट जाना नहीं है।

इस दीपावली करें संकल्पः आज दीपावली की रात में जब देहरी पर दीया रखें, तो एक दीया मन के नाम भी जरूर जलाएं। कुछ क्षण रुककर सोचें कि भीतर कौन-सा कोना बरसों से अंधेरे में पड़ा है, कोई पुरानी शिकायत, कोई अनकही बात, कोई अधूरा सपना। उस कोने तक अपनी लौ ले जाएं। संकल्प लें कि केवल बाहर ही नहीं, अपने भीतर भी प्रेम का दीया जलाएंगे। बाहर की जगमगाहट त्योहार की शोभा है, पर भीतर की रोशनी जीवन की शोभा है। बुद्ध के शब्दों में, अपने दीपक स्वयं बनें और जब आप खुद उजाले से भर जाएंगे, तो आपके आस-पास की दुनिया भी बिना प्रयास रोशन हो उठेगी। *



आज दीपोत्सव के शुभ अवसर पर दीपों को प्रज्ज्वलित करने से पूर्व गणपति और मां लक्ष्मी की आराधना अत्यंत शुभ फलदायी होती है। लेकिन पूजन का विधि-विधान से किया जाना भी अत्यंत आवश्यक है। इस बारे में विस्तार से यहां बता रहे हैं।

दीपोत्सव पर पूरे विधान से करें गणपति-लक्ष्मी की आराधना

पूजा-विधि / अनीता जैन

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पुराणों में कार्तिक मास का विशेष महत्व बताया गया है, इस को दामोदर मास भी कहा जाता है। इस महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा करना सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। पूरे कार्तिक मास में कई त्योहार मनाए जाते हैं और इनमें स्नान, दान और भगवत्पूजन किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।



पौराणिक मान्यताः स्वयं भगवान ब्रह्माजी कार्तिक मास की महिमा बताते हुए कहते हैं कि कार्तिक मास सब मासों में उत्तम है। देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ (बद्रिकाश्रम)श्रेष्ठ है।

न कार्तिकसमो मासो न कृतेन समं युगं,
न वेदं सदृशं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समं।

अर्थात कार्तिक के समान कोई मास नहीं है, न सतयुग के समान कोई युग, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगा नदी के समान कोई तीर्थ नहीं। इस महीने में तैंतीस कोटि देवता मनुष्य के सन्निकट हो जाते हैं और इसमें किए हुए स्नान, दान, भोजन, व्रत, तिल, धेनु, सुवर्ण, रजत, भूमि, वस्त्र आदि के दानों को विधिपूर्वक ग्रहण करते हैं।

गणेश-लक्ष्मी पूजन की शुभ तिथिः कार्तिक मास में बुद्धि के दाता, विघ्नहर्ता श्री गणेश और धन-ऐश्वर्य की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए दीपावली का दिन बहुत खास माना गया है। इस दिन भगवान राम असुरों का संहार करके अयोध्या लौटे थे, जिनका दीपोत्सव करके स्वागत किया गया था। दीपावली का दिन लक्ष्मी के स्वागत का भी दिन माना जाता है। इस शुभ तिथि पर हम चारों ओर प्रकाश फैलाकर सकारात्मकता के साथ महालक्ष्मी से समृद्धि और संपन्नता का वर मांगते हैं। शक्ति आराधना यानी काली पूजा के लिए भी यह कार्तिक अमावस्या की तिथि सर्वोपरि मानी गई है।

दीपावली की पूजा विधिः इस दिन प्रदोष वेला से लेकर पिशाच वेला के आरंभ से पहले तक ही महालक्ष्मी पूजा का विधान है। यह पिशाच वेला रात्रि 02 बजे से आरंभ होती है। दीपावली के दिन प्रदोष वेला, स्थानीय सूर्यास्त से 72 मिनट पहले और 72 मिनट बाद तक की वेला प्रदोष वेला मानी गई है। इस दिन स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्राभूषण धारण करके घर के पूजास्थल पर यथाशक्ति पूजन सामग्री लेकर बैठें। साथ ही गणेश सहित महालक्ष्मी वरुण, कुबेर, श्रीयंत्र, कुबेरयंत्र और नवग्रह यंत्र लें। ध्यान रहे दीपावली पूजन में लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्तियां अथवा चित्र बिल्कुल नया होना चाहिए यानी, पहले उन मूर्तियों का प्रयोग पूजा में न किया गया हो। आप इस बात का ध्यान रखें कि पूजा में श्रद्धा का नैवेद्य अवश्य चढ़ाएं, भाव और भक्ति की कमी न रहने पाए, तभी लक्ष्मी जी आप से प्रसन्न होंगी। इसके अतिरिक्त गुड़हल, लाल कनेर, गेंदा आदि के पुष्पों से भी मां की आराधना कर सकते हैं। साथ ही श्रंगार का सामान हल्दी, रोली, मौली, लाल चंदन, अक्षत, लौंग, इलायची, पान, सुपारी, शहद, फल, मिष्ठान, गंगाजल, नारियल, कलश अथवा जो भी यथा समय उपलब्ध हो उसे साथ लेकर बैठें। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए भगवान ॐ पुण्डरीकाक्ष का स्मरण करके अपने ऊपर जल छिड़कें। सभी सामग्रियों पर भी गंगाजल छिड़कें। अब पृथ्वी स्पर्श करते हुए ॐ भूम्यै नमः का उच्चारण करें। पूजा स्थल के दक्षिण-पूर्व के तरफ घी का दीप जलाते हुए

ॐ दीपज्योतिः परब्रह्मदीपज्योतिः जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोस्तुते।।

का उच्चारण करें। इसके अलावा, जो मंगल मंत्र आता हो उसे पढ़ें और स्वयं संकल्प करें। *ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद, श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः!* इस मंत्र को पढ़ते हुए सभी पूजन सामग्री अर्पण कर सकते हैं। देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश के लिए भोग में खीर, बूंदी के लड्डू, सूखे मेवे या फिर मावे से बनी हुई मिठाई रखें एवं आरती करें। पूजन के पश्चात चारमुखी दीपक रात्रि भर जलाएं। *

कविता / गोविंद भारद्वाज

बेच रहा हूं दीप...



ले लो, ले लो कुछ दीप नए अच्छे-अच्छे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
आज विदेशी दीप सजे हैं देखो तो बाजारों में,
लोग बड़े उनको लेने जाएं बैठ बड़ी कारों में।
मेरा रस्ता ताक रहे हैं बीवी-बच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
निर्धन के घर-आंगन थोड़ा-सा उजियारा भर देते,
थोड़ी बोनी करवा के उपकार जरा-सा कर देते।
रोज पसीनों से खूब बनाए कच्चे-पक्के अम्मा जी,
बेच रहा हूं, मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
लाखों-लाखों दीप जलेंगे अब की बार दिवाली में,
मेरे दीपों को शामिल कर लो अपनी खुशहाली में।
आवाज यही देता हर बस्ती हर रस्ते अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
तुम क्या जानों बारिश, गर्मी में कैसे वक्त बिताया,
इक-इक दीप बनाने में पूरा ही परिवार लगाया।
तुम भी अपनी मन की बोलो सच्चे-सच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।

उदास मन में फैला उजास

लघुकथाएं

मंदिरा जी के बचपन की सहेली रमा, दीपावली मनाने के लिए यू.एस. से भारत आईं। मंदिरा उनके बचपन की सहेली थीं। दीपावली के दिन जब वह मंदिरा जी के घर पर पहुंचीं तो वहां पसरी वीरानी को देख चकित हो गईं। लेकिन जब हॉल में मंदिरा जी के स्वर्गवासी पति सुधाकर जी की तस्वीर देखी तो उनकी मनोदशा समझने में थोड़ी-सी भी देर न लगी। पांच बरस पहले हृदयाघात से सुधाकर जी का देहांत हो गया था। पति को खोने के बाद मंदिरा जी के लिए उनका जीवन और सारे वार-त्योहार जैसे फीके और बेरंग हो गए थे। अब किसी काम में उनका मन नहीं लगता था। घर का जो दीया, दीपावली के सारे जगमगाते दीयों का कारण था, उसके बुझने से अब मंदिरा जी के लिए जैसे अंधेरा ही एकमात्र सच रह गया था। मंदिरा जी का हाथ थामते हुए रमा ने मंदिरा जी को समझाया, 'यदि वे इसी तरह जीवन भर उदास रहेंगी तो प्रेम से बना उनका यह आशियाना, यूं ही अंधेरे में डूबा रहेगा और यकीनन यह बात सुधाकर जी को



एआई इमेज

भी अच्छी नहीं लगेगी।' मंदिरा जी कुछ कहतीं, इससे पहले ही रमा ने पूछ लिया, 'अच्छा, चल एक बात बता, यदि सुधाकर जी की जगह तुम्हें कुछ हो जाता और सुधाकर जी तुम्हारी तरह यूं अनमने और कटे-कटे रहते तो क्या तुमको अच्छा लगता?' मंदिरा जी कुछ बोल न पाईं और केवल ना में गर्दन हिलाकर रह गईं। रमा ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'दीये केवल तुम्हारे घर-आंगन को ही नहीं, सुधाकर जी की यादों को भी रोशन करते हैं। इसलिए तुमको दीवाली उसी उत्साह से मनानी चाहिए, जैसे उनके होने पर तुम मनाती थी।' रमा की यह बात मंदिरा जी के मन को छू गई। पर संकोच की बेड़ियां अभी भी मंदिरा जी को जकड़े हुई थीं। स्थिति भांपते हुए स्वयं रमा ने दीयों से उसका घर जगमग करने की तैयारी शुरू कर दी। रमा दीयों से सजा थाल लेकर आंगन में आईं, तो हिम्मत कर मंदिरा जी भी अपनी नम आंखों को पोंछते हुए उसके साथ जुट गईं। उसने रमा को धन्यवाद दिया और भावुकता के साथ दीयों की ओर देखते हुए कहने लगीं, 'शुक्रिया रमा। सच, आज इन दीयों की लौ मुझे उनके खुशनुमा नयनों की तरह प्रतीत हो रहे हैं, जो न केवल मुझे बल्कि इस पूरे घर को प्रेम से निहार रहे हैं।' मंदिरा जी का घर-आंगन ही नहीं उनका चेहरा भी अब उजास से दमक रहा था। पहली दीपावली की तरह ही आज भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इस मुस्कुराहट व उजास के पीछे सुधाकर जी ही कारण थे, जिसे पुनः जगमग करने में रमा ने खास भूमिका निभाई थी। रमा की दीपावली भी इस बार कुछ खास हो गई क्योंकि आज उसने एक अंधेरे में डूबे दिल को पुनः रोशन जो कर दिया था। *

- कुलदीप सिंह भाटी

नन्ही सी खुशी

बड़ी-बड़ी इमारतों के किनारे मलिन बस्ती में ननकू अपनी मां के साथ झोपड़ी में रहता था। आज दीपावली के उल्लास में सभी ऊंची इमारतों पर खूब रोशनी की गई थी, मगर उनकी झोपड़ी में अंधेरा ही पसरा था। बाहर पटाखों के शोर के बावजूद ननकू के रोने के आवाज साफ सुनाई दे रही थी। वह अपनी मां से पटाखे खरीदने की जिद कर रहा था,



एआई इमेज

ले कि न उसकी मां इसी सोच में दुखी थी कि आज मिले मजदूरी के पैसे से वह ननकू के लिए पटाखे लाए या दीये जलाने के लिए तेल या दीपावली की मिठाई या फिर रोज की तरह चटनी-रोटी का इंतजाम करे! कुछ देर बाद जब उसकी तंद्रा टूटी, उसे ननकू के हंसने की आवाज सुनाई दी। देखा तो ननकू पास ही की एक इमारत के बच्चों द्वारा फेंके गए जले अधजले पटाखों को जलाकर खुश हो रहा था। कुछ देर बाद ननकू की झोपड़ी के सामने भी एक नन्हा-सा दीपक जल रहा था, जिसके प्रकाश में ननकू की मां के चेहरे पर खुशी की एक हल्की-सी चमक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। शायद ननकू की मां को अपनी समस्या का समाधान मिल जाने की खुशी थी। *

-विनय मोघे

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

दीपपर्व



रोशनियों के पत्र हैं, अब दीयों के नाम।
पत्रों के मजमून में, खुशियों के पैगाम।।
फिर मुस्कानें पल रहीं, प्रमुदित है संघर्ष।
महक रहे नव आस से, दिवस, मास, नित वर्ष।।
उल्लासित होने लगे, सारे ही कंदील।
विश्वासों की महफिलें, लगतीं मीलों मील।।
नभ तक उत्सव की छटा, धरती पर आनंद।
मायूसी का दौर अब, आता नहीं पसंद।।
दुल्हन-सी लगती अमां, लजा रही है आज।
दीयों के इस पर्व पर, प्रमुदित लगे समाज।।
भवनों पर हैं झालरें, हर मुंडेर पर दीप।
प्रेमिल नव अहसास चल, आया आज समीप।।
तिमिर दूर जाता दिखे, होकर बहुत उदास।
उजियारे को है हुआ, जय का तो आभास।।
सज्जित वामा दीप ले, गाती शुभ के गीत।
बम, पटाखे फूटते, पली दिलों में प्रीत।।
रमा आज आतुर दिखीं, देने को वरदान।
धन-वैभव को मिल रही, आज पुरानी शान।।
कितने आकर्षक लगें, चलते हुए अनार।
दुआ और शुभकामना, बने आज आचार।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी सॉनेट का सौंदर्य

एक समंदर गहरा भीतर' के बाद हाल में ही डॉ. वेद मित्र शुक्ल के सॉनेट संग्रह की दूसरी पुस्तक 'यादों का जो जंतर-मंतर' प्रकाशित होकर आई है। सॉनेट के अनुशासन को बरतते हुए समाज और दुनिया की तमाम श्याम-श्वेत छवियों के साथ ही जीवन के अंतर्द्वंद्व को भी कवि ने प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। बाजारवाद की हाहाकारी अराजकता से जीवन कैसे आक्रांत हो रहा है, इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है, *'बाजारू हो रही सदी बिकने को हर पल/ बीत रहा जीवन कुछ यों हर सांस वायरल।'* एक अन्य सॉनेट में वे भूमंडलीकरण के दुष्प्रभाव को दूसरे शब्दों में कुछ ऐसे व्यक्त करते हैं, *'वैश्विकता का क्या मतलब जो खुद को भूले/ व्यर्थ ही गया धरा भूल जो नभ हम छू लें।'* इसी तरह आधुनिकता की अंधी दौड़ में कैसे खेती-किसानी उजड़ती जा रही है, इस बारे में कवि कहते हैं, *'खेत हुए वीरान स्वप्न सूने सूने से/ वे दिन क्या थे जुटती थीं पांतें किसान की।'* कहना चाहिए ये सॉनेट हमारे समय की बहुरंगी छवियां उकेरती हैं। *

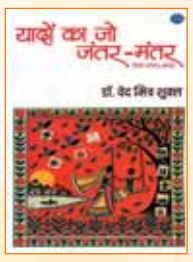

पुस्तकः यादों का जो जंतर-मंतर (हिंदी सॉनेट संग्रह), **लेखकः** डॉक्टर वेद मित्र शुक्ल, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

पेरिस मास्टर्स

अल्काराज के वार से फ्रिट्ज का टूटा सपना

जोडार को मिला एटीपी फाइनल्स का टिकट



एजेंसी ▶▶| पेरिस

कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें।

कार्लोस ने फ्रिट्ज के खिलाफ की जबरदस्त वापसी

अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया। इसके बाद अल्काराज को अगले गेम में फ्रिट्ज की सर्व पर एक मैच पॉइंट बचाना पड़ा, इससे पहले कि वह उन्हें 5-5 से बराबर कर पाते। अल्काराज ने तब अपना गेम बेहतर किया जब यह सबसे ज्यादा जरूरी था, क्योंकि उन्होंने अगले दो गेम जीतकर डिसाइडर में चीजें अपने नाम कीं।

डकवर्थ लुईस प्रणाली से भारत ने न्यूजीलैंड को 4 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

बारिश में भी नहीं धुला भारत का जीत का रंग

राहुल की संयमित पारी और तेज गेंदबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

सितारों से सजे भारतीय बल्लेबाजी क्रम की शुरुआती नाकामी के बाद केएल राहुल की संयमित पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित दूसरे वनडे में शनिवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 4 रन से हरा दिया। अब भारत 5 मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरा मैच मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

जीत के लिए 47 ओवर में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट 113 रन पर गंवा दिए थे, जब बारिश शुरू हो गई। उस समय डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर भारत को 109 रन की जरुरत थी। भारत ने अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से न्यूजीलैंड को 41 ओवर में 134 रन पर समेट दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने फेंकी 176 डॉट गेंदें

आकिब नबी ने 7 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अंशुल कम्बोज ने 8 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए । वहीं बराड़ ने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए, जो उनके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने शॉर्ट गेंदों का बखूबी इस्तेमाल करके मेजबान मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। अर्शदीप सिंह ने 7 ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिली। उन्होंने हालांकि बेहद अनुशासित और सटीक गेंदबाजी करके दबाव बनाया। भारतीय गेंदबाजों ने 176 डॉट गेंदें फेंकी।



जीरो पर आउट हुए गिल

जवाब में कप्तान शुभमन गिल पहली ही गेंद पर जैकब डफी का शिकार हुए और खाता खोले बिना स्लिप में कैच दे बैठे। डफी ने विराट कोहली (7) को भी पवेलियन भेजा। रोहित शर्मा ने 28 गेंद में 23 रन बनाए लेकिन सीम का सामना करने में सहज नहीं दिखे। अक्षर पटेल (7) और श्रेयस अय्यर (30) शॉर्ट गेंदों पर विकेट गंवा बैठे। वहीं पहली 20 में से 18 डॉट गेंद खेलने वाले राहुल ने अपना संयम बनाए रखा और डफी को छक्का लगाकर टीम को सौ रन के पार पहुंचाया। राहुल ने 38 गेंद में 26 रन बनाए।



रोहित ने तोड़ा अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोहित शर्मा ने कीवी टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 2 छक्के लगाए और वो वनडे में इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए और शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में कुल 50 छक्के अपने करियर के दौरान लगाए थे, लेकिन रोहित ने 51 छक्के लगाते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया और लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए जबकि शाहिद अफरीदी अब दूसरे नंबर पर आ गए।

जूझते नजर आए विल यंग

इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का सही फैसला लिया। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। नबी ने सबसे पहले टिम सीफर्ट (0) का विकेट लिया। मिडविकेट पर खड़े कम्बोज ने सामने की ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ा और नबी को उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाया। विल यंग ने 17 गेंद में 6 रन बनाए और वह जूझते ही नजर आए। आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर बल्ला अड़ाकर वह विकेट के पीछे केएल राहुल को कैच देकर लौटे। हेनरी निकोल्स 26 गेंद में 11 रन बनाकर नौवें ओवर में कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हुए।

खबर संक्षेप



चेन्नई ओपन : वैष्णवी रुतुजा ने रचा इतिहास

चेन्नई। वैष्णवी अडकर और रुतुजा भोसले ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर के किसी टूर्नामेंट के युगल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रोमांचक सेमीफाइनल में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोव्स्का और अमेरिका की अलाना स्मिथ की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-2 2-6 10-8 से हराया। भारतीय जोड़ी पहला सेट आसानी से जीतने के बाद दूसरे सेट में लड़खड़ा गई लेकिन उन्होंने निर्णायक सुपर टाई-ब्रेक में संयम बनाए रखा और जीत हासिल की।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट खेलेंगे जमाल



रावलपिंडी। ऑलराउंडर आमिर जमाल को श्रीलंका के खिलाफ 9 नवंबर से होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान और सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल को टीम से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान ने अपनी टीम में काफी बदलाव किए हैं तथा कई ऐसे खिलाड़ी टीम में शामिल किए हैं, जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। इन खिलाड़ियों में बल्लेबाज मोहम्मद तैयब आरिफ, समीर मिन्हास, मोहम्मद सलमान, मोहम्मद ताहा और तेज गेंदबाज साकिब खान और अली शब्बीर शामिल हैं।

लंदन ओपन : क्वार्टर फाइनल में हारे सेंथिल

लंदन। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार को लंदन ओपन के पुरुष क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के आमिर खालिद जोयूसेलिन से उलटफेर का सामना करना पड़ा। दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय सेंथिलकुमार को 18000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट में दुनिया के 99वें नंबर के आमिर से 11-13, 6-11, 7-11 से हार मिली।

टेस्ट श्रृंखला से पहले फॉर्म में लौटे जायसवाल, जड़ा शतक



एजेंसी ▶▶| लिंकन

यशस्वी जायसवाल के लगातार दूसरे शतक से भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शनिवार को तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन 2 विकेट पर 227 रन बना लिए। जायसवाल ने 138 गेंद में 102 रन बनाकर 19 नवंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले फॉर्म में वापसी की।

बारिश के कारण 70वें ओवर में पहले दिन का खेल खत्म करना पड़ा। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर साइ सुदर्शन (205 गेंद में नाबाद 77 रन) और कप्तान ध्रुव जुरेल (नाबाद 12) क्रीज पर थे। टेस्ट श्रृंखला से पहले जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और प्रसिद्ध कृष्णा भी यह मैच खेल रहे हैं।

जायसवाल ने लगाई चौकों की हैट्रिक

जायसवाल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ए के किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा। उन्होंने जेरोड मैकी को दो बार लगातार तीन चौके लगाए। न्यूजीलैंड ए ने जायसवाल का कैच उस समय छोड़ा था जब वह 54 रन पर थे। इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। जायसवाल ने आफ स्पिनर डीन फॉक्सक्राफ्ट की गेंद पर 44वें ओवर में स्वीप शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद ही वह फर्न्स की गेंद पर मिडआफ में कैच देकर आउट हो गए। मैकी ने 63वें ओवर में देवदत्त पडिक्कल को रवाना किया ।

हार्दिक का पंजाब किंग्स, अर्शदीप का एमआई में जाना तय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड) पर सहमति बन गई है। इससे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस से जुड़ जाएंगे। यह सौदा हालांकि अभी प्रस्तावित है और इसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मंजूरी मिलना बाकी है। आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र ने बताया कि हार्दिक पंड्या श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर खुश हैं। उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर आगामी सत्र में भी पंजाब किंग्स के कप्तान बने रहेंगे। सूत्र ने कहा, 'ट्रेड पूरा हो चुका है। हार्दिक पंजाब किंग्स में जा रहे हैं और अर्शदीप मुंबई इंडियंस में शामिल हो रहे हैं। हार्दिक श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर खुश हैं।' उनके अनुसार, 'अर्शदीप के बदले हार्दिक को ट्रेड करने का फैसला कप्तान और कोच का था। अर्शदीप लंबे समय से पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं और फ्रेंचाइजी के लिए शानदार प्रदर्शन करके आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं।





2024 सत्र में मुंबई में लौटे थे हार्दिक

हार्दिक 2024 सत्र में मुंबई इंडियंस में लौटे थे और उन्हें लंबे समय तक टीम की कप्तानी करने वाले रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। हालांकि हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का सफर उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पांच बार की चैंपियन टीम हार्दिक के नेतृत्व संभालने के बाद तीन सत्र में से दो बार प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। यह सौदा बीसीसीआई द्वारा खिलाड़ियों को बरकरार रखने की समय सीमा को 17 नवंबर तक बढ़ाने के बाद हुआ है, जिससे दोनों फ्रेंचाइजी को 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी से पहले आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

दूसरा टेस्ट : तौहीद हिरदॉय ने इतिहास रचा वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ा 'दोहरा शतक'



सिलहट। तौहीद हिरदॉय के नाबाद 'दोहरे शतक' की मदद से बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में बढ़त हासिल की। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तौहीद 242 रन बनाकर नाबाद रहे। यह टेस्ट फॉर्मेट में किसी बांग्लादेशी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी है। तौहीद ने 359 गेंदों में 11 छक्के और 22 चौके जड़ते हुए मुशफिकुर रहीम के 219* रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो उन्होंने 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ मीरपुर में बनाया था। सीरीज के दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने पहली पारी में 356 रन बनाए। कैरेबियन टीम ने महज 27 रन तक 3 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद आमिर जंगू ने केविन विकहम के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन, जबकि जस्टिन ग्रीव्स के साथ 106 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसके जवाब में लड़खड़ाती शुरुआत के बावजूद बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 386 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल कर ली। मेजबान टीम ने 51 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद तौहीद हिरदॉय ने मोर्चा संभाला। उन्होंने मुशफिकुर रहीम के साथ चौथे विकेट के लिए 73 रन जुटाकर टीम को 124 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन मुशफिकुर (34) के आउट होने के बाद टीम फिर से लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि 184 के स्कोर तक 7 विकेट गिर गए।

सैयद मुश्ताक अली

17 साल के विकल्प को मिली छत्तीसगढ़ की कप्तानी



एजेंसी ▶▶| रायपुर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ ने स्क्वॉड का ऐलान किया और 17 साल के विकल्प तिवारी को कमान दी है। विकल्प ने अभी तक सीनियर लेवल पर कोई टी20 मुकाबला नहीं खेला है फिर भी उनके नेतृत्व में टीम चुनी गई है। हालांकि विकल्प ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया है और यहां पर कमाल किया है। यही वजह है कि उनको नेतृत्व दिया गया है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे नौजवान कप्तान होंगे। 15 साल के वैभव बिहार की पहले दो मैचों में कमान संभालेंगे।

मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं

राजनांदगांव के विकल्प बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं। विकल्प ने इसी साल फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था तो पिछले विजय हजारे ट्रॉफी से उनका लिस्ट ए में पदार्पण हुआ था। वे अभी तक छह फर्स्ट क्लास और इतने ही लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं। फर्स्ट क्लास मैचों में उन्होंने 30.20 की औसत से 301 रन बनाए। दो अर्धशतक उनके नाम इस फॉर्मेट में है। वहीं लिस्ट ए में एक शतक से विकल्प ने 38.60 की औसत के साथ 193 रन बनाए हैं।

मध्यप्रदेश के कप्तान बने पाटीदार

इंदौर। आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश का कप्तान नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश को 'एलीट ग्रुप-सी' में रखा गया है। टीम अपने पहले चार मैच न्यू चंडीगढ़ में खेलेगी, जबकि बाकी तीन मुकाबले मोहाली में आयोजित होंगे।

बड़ोदा की कमान क्रुणाल को, हार्दिक बाहर



बडोदरा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए बड़ोदा की टीम का ऐलान कर दिया गया। 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस टी20 घरेलू टूर्नामेंट के लिए बड़ोदा टीम का कप्तान क्रुणाल पंड्या को बनाया गया है जबकि स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की मैदान पर वापसी इस टूर्नामेंट के लिए जरिए कम से कम नहीं हो पाएगी। हार्दिक पंड्या अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और इसकी वजह से ही उन्हें इस टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। 32 साल के हार्दिक पंड्या ने 24 मई के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। उन्होंने इस साल आखिरी मैच आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था और उसके बाद से वो चोटिल हैं।

अंडर-19 एशिया कप: ग्रुप-ए में आज रोमांचक मुकाबला

पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| अल अमेरात

पिछली बार अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान से पराजय झेलने वाला भारत रविवार को होने वाले ग्रुप ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में बदला चुकता करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगा। भारत ने अपने पहले मैच में नेपाल को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने 128 रन के लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर दिया था।

वहीं, पाकिस्तान ने मेजबान यूएई के खिलाफ 37.3 ओवरों में 225 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। यह मैच ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने वाली टीम के निर्धारण को देखते हुए महत्वपूर्ण है। इसमें जीत हासिल करने वाली टीम के ग्रुप में शीर्ष पर रहने की संभावना बढ़ जाएगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। दोनों टीम ने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है और ऐसे में रविवार को होने वाला मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है।



आत्मविश्वास से भरी पाक टीम

फरहान यूसुफ की अगुवाई वाली पाकिस्तान की टीम यूएई पर मिली शानदार जीत के बाद विशेष रूप से आत्मविश्वास से भरी होगी। यूसुफ पिछली बार भी पाकिस्तान की टीम के कप्तान थे। तब पाकिस्तान ने दुबई के आईसीसी क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में भारत को 191 रन से हराया था। भारतीय टीम अब उस हार का बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी मजबूत

पाकिस्तान की बल्लेबाजी काफी मजबूत है जिसमें सलामी बल्लेबाज उस्मान खान भी शामिल है, जिन्होंने यूएई के खिलाफ पिछले मैच में नाबाद 139 रन बनाए थे। जहांगीर बिलाल और अब्दुल कादिर ने भी अच्छी फॉर्म दिखाई है, जिससे पाकिस्तान का शीर्ष क्रम मजबूत नजर आ रहा है। भारतीय गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी।



आरटीआई अपीलों के निराकरण में देरी पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

राज्य सूचना आयोग में 28,866 मामले लंबित, पांच पद खाली

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग में 28,866 प्रकरण लंबित हैं, जबकि आयोग के स्वीकृत 10 पदों में से पांच रिक्त हैं। अध्यक्ष का पद भी खाली है। यहां 27,103 द्वितीय अपील और 1,763 शिकायतें लंबित हैं। राज्य सरकार की ओर से मप्र हाईकोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस स्थिति पर हाईकोर्ट ने चिंता जताते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव को रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने यह निर्देश दिए।



180 दिन की वैधानिक समय-सीमा भी बेअसर

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि पर्याप्त नियुक्तियां नहीं होने से आयोग प्रकरणों का शीघ्र निराकरण नहीं कर पा रहा है। मध्य प्रदेश संशोधन अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलों के निराकरण के लिए 180 दिन की वैधानिक समय-सीमा निर्धारित है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। आयोग में नियुक्तियों के अभाव और प्रकरणों के निराकरण में देरी के कारण हाईकोर्ट में भी कई याचिकाएं दायर हुई हैं।कोर्ट ने मुख्य सचिव को स्थिति पर गौर कर रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा, ताकि द्वितीय अपीलों का निराकरण हो और लंबित मामलों का बोझ कम हो सके। इसी मामले में याचिकाकर्ता भोपाल के प्रशांत त्रिपाठी की लंबित द्वितीय अपील पर हाई कोर्ट ने राज्य सूचना आयोग को 60 दिन के भीतर विचार कर अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया।

जेवर खरीदने के बहाने झुमकी का डिब्बा चोरी कर ले गई महिलाएं

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत आईटीआई चुंगीनाका स्थित एक ज्वेलर्स दुकान में जेवर खरीदने आई महिलाओं ने झुमकी झाले वाला डिब्बा चोरी कर ले गई। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटीआई चुंगीनाका निवासी 60 वर्षीय इंद्रपाल सोनी घर के नीचे वाले हिस्से में इंद्र ज्वेलर्स नाम से दुकान संचालित करता है। गत दोपहर लगभग 12.10 बजे उसकी दुकान में कुछ महिलायें आईं और जेवर खरीदने का कहते हुए जेवर दिखाने के लिये कहीं, उसकी दुकान में सोकेश के ऊपर से कान की सोने की झुमकी और झाला रखा हुआ था। डिब्बे में झुमकी झाला कुल 9 जोड़ी थे, उक्त महिलाओं ने डिब्बा उठाकर दुकान से उठाकर छिपाकर ले गई, उसने 15-20 मिनिट बाद देखा तो उसके होश उड़ गए, सोकेश पर रखा झुमकी झाले का डिब्बा अज्ञात महिलाऐं चोरी कर ले गयीं हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने छीनीं सोने की दो चेन

जबलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के एकता चौक स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स के सामने बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक के गले से सोने की दो चेन छीन लीं और फरार हो गए। पीड़ित सत्येंद्र मिश्रा (37), निवासी जेडीए स्कीम नंबर-5 विजयनगर ने पुलिस को बताया कि 6 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर एक्सिस वाहन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पल्सर सवार दो युवक पीछे से आए और उनके गले से जबरन दोनों सोने की चेन खींचकर भाग निकले। दोनों बदमाश लाल रंग के कपड़े पहने हुए थे। पीड़ित ने पीछा भी किया, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहे। पुलिस ने धारा



55 जिलों में लागू व्यवस्था को चुनौती देने वाली सात जिलों के पटवारी संघ की याचिका निरस्त

पटवारियों को रजिस्ट्री अधिकारी बनाने के सरकारी फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्वामित्व योजना के तहत पटवारियों को रजिस्ट्री निष्पादन अधिकारी नियुक्त करने के राज्य सरकार के फैसले को वैध ठहराया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इस व्यवस्था को चुनौती देने वाली प्रांतीय पटवारी संघ की याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट के इस फैसले से प्रदेश के 55 जिलों में लागू व्यवस्था को न्यायिक समर्थन मिला है। राज्य सरकार के मुताबिक, इसके तहत अब तक 20 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। संघ ने 13 अगस्त 2026 को जारी सरकारी आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि पटवारियों को बिक्री विलेख और हस्तांतरण संबंधी दस्तावेज निष्पादित करने का अधिकार भू-राजस्व संहिता में नहीं है। उनकी मूल जिम्मेदारी भूमि अभिलेख और राजस्व संबंधी कार्यों तक सीमित है। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह और उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने बताया कि यह केंद्र की स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन का हिस्सा है। कोर्ट ने महत्वपूर्ण रूप से कहा कि प्रदेश के 55 जिलों में लागू आदेश को केवल सात जिलों के पटवारियों की ओर से प्रतिनिधिक याचिका के जरिए चुनौती देना उचित नहीं है। आदेश का प्रभाव सभी जिलों के पटवारियों पर पड़ सकता है। कोर्ट ने सरकारी आदेश में कोई अनियमितता नहीं पाते हुए याचिका निरस्त कर दी।



हाईकोर्ट में अब न्यायाधीशों की संख्या घटकर 37 हुई, 16 पद रिक्त

36 साल की न्यायिक सेवा के बाद जस्टिस प्रमोद अग्रवाल की विदाई

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की कमी के बीच एक और पद रिक्त हो गया। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल 36 वर्ष की न्यायिक सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके विदा होने के साथ हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या घटकर 37 रह गई है, जबकि स्वीकृत 53 पदों में रिक्तियों का आंकड़ा बढ़कर 16 पहुंच गया है। हाईकोर्ट के कोर्ट रूम नंबर एक में आयोजित विदाई समारोह भावुक क्षणों का साक्षी बना। जस्टिस अग्रवाल ने अपने न्यायिक सफर के अनुभव साझा करते हुए कहा कि 36 वर्षों में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर काम करने, नए सामाजिक मूल्य समझने, मित्र बनाने और जीवन के अनेक सबक सीखने का अवसर मिला। उन्होंने विनम्रता से कहा कि अनजाने में किसी से कोई भूल हुई हो तो उन्हें क्षमा किया जाए। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे ने उनकी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1990 में न्यायिक सेवा शुरू करने वाले जस्टिस अग्रवाल ने हाईकोर्ट में करीब तीन साल के कार्यकाल में 16,353 मामलों का निराकरण किया। समारोह में न्यायाधीशों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों ने उनके योगदान व कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।



पदोन्नति के बाद पदावनत करने के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर। पदोन्नति देकर कंपनी कमांडर बनाए जाने के बाद वापस प्लाटून कमांडर के पद पर पदावनत करने के आदेश पर मप्र हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने बैतूल होमगार्ड कार्यालय में पदस्थ सुनीता पांडारे की याचिका पर सुनवाई करते हुए दो नवंबर 2026 के आदेश का क्रियान्वयन उनके संबंध में अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विकास महावर ने दलील दी कि 13 जुलाई 2026 को 71 प्लाटून कमांडरों को कंपनी कमांडर के पद पर पदोन्नत किया गया था। विभागीय पदोन्नति समिति ने आरक्षण और अन्य पात्रताओं के आधार पर याचिकाकर्ता को भी पदोन्नति के लिए पात्र पाते हुए अनुशंसा की थी। इसके आधार पर उन्हें नियमित और बिना शर्त पदोन्नति दी गई थी। दलील दी गई कि एक सामान्य वर्ग की महिला अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण लंबित होने के कारण विभागीय पदोन्नति समिति ने उनका मामला सीलबंद लिफाफे में रखा था। बाद में प्रकरण समाप्त होने पर लिफाफा खोलकर उन्हें पदोन्नति दे दी गई। इसके बाद महानिदेशक, होमगार्ड ने याचिकाकर्ता को कंपनी कमांडर से वापस प्लाटून कमांडर के पद पर पदावनत कर दिया।याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि यह आदेश पारित करने से पहले उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। साथ ही पदोन्नति में आरक्षण और रोस्टर के प्रावधानों का पालन भी नहीं किया गया। अनुसूचित जनजाति वर्ग की अधिकारी को निचले पद पर भेजकर सामान्य वर्ग की महिला अधिकारी को पदोन्नति देना नियमसम्मत नहीं है। विस्तृत सुनवाई के बाद कोर्ट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। साथ ही विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी गई।

कंपनी कमांडर से वापस प्लाटून कमांडर बनाने का आदेश अगली सुनवाई तक स्थगित





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240